राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,28 नवेम्बर-2021 वर्ष-4,अंक-305 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विद्यार्थी के हित में शिक्षा विभाग का महत्वपूर्ण घोषणा

शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा के पैटर्न में किया बदलाव

क्रांति समय,सूरत

गांधीनगर, राज्य के शिक्षा मंत्री के विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण घोषणा की है। कक्षा 9 से 10 व 12 वी कक्षा के सामान्य संकाय के विद्यार्थी की परीक्षा पैटर्न में बदलाव किया है। परीक्षा के दौरान हेतुलक्षी प्रश्न 20 प्रतिशत की जगह 30 प्रतिशत होगा। जबिक गुणात्मक प्रश्न 80 प्रतिशत की जगह 70 प्रतिशत होगा। राज्य में लंबे समय के बाद स्कूल-कोलेजो में पढाई का कार्य शुरुहुआ है। कोरोना काल के दौरान बच्चों की शिक्षा का काफी असर पड़ा

है। ऐसे में शिक्षामंत्री जीतु वाघाणी ने विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण घोषणा की है। कक्षा 9, 10 एवं 11 व 12 वी कक्षा के सामान्य संकाय के विद्यार्थी के लिए परीक्षा के दौरान हेतुलक्षी 20 प्रतिशत प्रश्नों का और गुणात्मक 80 प्रतिशत प्रश्नो का उत्तर देना होता था उसकी जगह अब हेतुलक्षी 30 प्रतिशत और गुणात्मक प्रश्नों का 70 प्रतिशत उत्तर ना होगा। हर विद्यार्थी सुविधा से परीक्षा से दे पाए इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। 21 लाख 75 हजार विद्यार्थी सरलता से परीक्षा दे सकेंगे। कोरोना के बाद पढाई को लेकर विद्यार्थी व अभिभावकों में बढे तनाव को भी शिक्षा पैटर्न में बदलाव से राहत मिलेगी। शिक्षामंत्री ने आगे कहा कि जनरल ओफ समय बढाकर ओप्शन की भी व्यवस्था की जाएगी। गुजरात के 29 लाख विद्यार्थी को इसका लाभ मिलेगा। इन्टरनल ओप्शन में भी अधिक प्रश्न दिए जाएंगे। यह पद्धति सिर्फ एक साल के लिए लागु की गई है। परीक्षा के पैटर्न में बदलाव से विद्यार्थी के सिर से पढाई का बोज कम करने का प्रयास है।

डायमंड बुर्स की छठ्ठी मंजिल से तीन मजदूर नीचे गिरे, एक की मौत

क्रांति समय,सूरत

सूरत,शहर के खजोद में निर्माणाधीन डायमंड बुस की छठ्ठी मंजिल से तीन श्रमिक नीचे गिरने से एक की मौत हो गई जबकि तीन की हालत गंभीर है। बिल्डिग की दीवार नीचे जमीन पर जा गिरे। इस हादसे में एक श्रमिक की मौत हो गई जबिक अन्य दो श्रमिकों को हालत गंभीर है। अन्य दो श्रमिकों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के रिश्तेदार द्वारा दिए गए बयान झूला गिरने से तीनों श्रमिक पर नीचे जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि सभी मजदूर तुरंत नीचे दौड़ आए और खून से लथपथ तीनों श्रमिकों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान

पर प्लायवुड फिनिशिंग के दौरान यह हादसा हुआ।

सूरत के खजोद इलाके में डायमंड बुर्स का निर्माण का कार्य चल रहा है। बिल्डिग की बाहरी दीवार पर तीन श्रमिक झूले से लटककर प्लायवुड का फिनिंशिंग के कार्य कर रहे है। दुर्घटनावश झूला गिरने से तीनों श्रमिक छठी मंजिल से के मुताबिक मृतक जीवनलाल पीएसपी कंपनी में कोन्ट्रेक्ट पर काम कर रहा था। जीवनलाल एक महिने पहले ही युपी से सूरत आया हुआ था। तीनों श्रमिक छठ्ठी मंजिलपर झूले पर लटककर बिल्डिग की बाहर दीवारको प्लायवुड फिनिसिंग का कार्य कर रहे थे। अचानक एक श्रमिक की मौत हो गई। जबिक अन्य दो की हालत गंभीर बताई जा रही है7 युपी के रहनेवाले जीवनलाल पत्नी व तीन संतान युपी में रहते हैं। जीवनलाल की मौत की खबर से उनके परिवार में मातम छा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज करी जांच शुरुकी है।

सूरत पांडेसरा के रानी सती मिल में लगी आग

क्रांति समय,सूरत

सूरत, पांडेसरा के रानी सती मिल में आग लगने की समाचार की कोईहानि के कोई आग में घायलावस्था में भी नही पाया जाता पांडेसरा के अनेक मिलों

मिलते ही अग्नि शामक दल पहुचे और आग को काबू में लेने का प्रयास किया , जब की एक सवाल जनता में मन में हमेंशा ही रहेता हैं की कभी भी किसी बड़ी आग की घटना जो मिलो में लगती हो किसी प्रकार में आये दिन आगकी घटना सामने आने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नही हैं या नही सब बराबर है सब चलता हैं यह निति के आदेशानुसार सभी विभाग कार्य करते हैं ?

कोरोना में मृतकों के 230 परिवार को 1.15 करोड का मुआवजा

क्रांति समय,सूरत

सूरत,सरकार द्वारा कोरोना में मृतक के परिजनों को सहायता राशि देने की कार्रवाई शुरु की गई। जिला कलेक्टर द्वारा आज 230 परिवारों को 1.15 करोड रूपए की सहायता राशि तहत जिला कलेक्टर द्वारा सहायता राशि चुकाने की प्रक्रिया शुरु की गई। कलेक्टर आयुष ओक द्वारा पेश किए फोर्म पर सहायता राशि चुकाने की मंजूरी दे दी है।

सूरत शहर में मनपा के जारी देने की कार्रवाई शुरु की गई। सरकार द्वारा कोरोना में मृतकों के परिवार के सदस्यों को सहायता देने के लिए कलेक्टर को ग्रांट आवंटित की है। जिसमें सूरत जिले के लिए 12 करोड रूपए आवंटित किए

देने के लिए मंजूरी दे दी।

सूरत शहर में कोविड महामारी के चलते शहर 1629 और जिले में 487 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। सरकार द्वारा कोरोना में मृतकों के परिजनों को सहायता राशि देने की घोषणा कीगई थी। जिसके आंकडो के मुजाबिक कोरोना के कारण शहर में 1629 व ग्रामीण इलाकों में 487 लोगों की मौत हुई थी। प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों व परिवार के सदस्यों से मिलकर उनसे सबूत इक्ठ्ठा कर मुआवजा गए हैं। जिसमें शहर के लिए 10 करोड व जिले के लिए 2 करोड रूपए आवंटित किए है। सरकार द्वारा आवंटित रकम के मुताबिक 50 हजार रूपए के हिसाब से मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — जिसके पास बुद्धि है, उसके पास बल है। बुद्धिहीन के पास बल कहां? - चाणक्य

संपादकीय

सावधानी जरूरी

कोरोना अभी उतनी दूर नहीं गया है कि हम निश्चिंत हो जाएं। दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना वायरस के एक नए वेरिएंट इ.1.1529 के कारण दुनिया में चिंता की लहर है। चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि इसे अब तक का सबसे खतरनाक वेरिएंट बताया जा रहा है। सजग देशों ने अपने लोगों और स्वास्थ्य व्यवस्था को सचेत कर दिया है। अभी भारत में यह वायरस नहीं आया है, पर राज्य सरकारों को आगाह कर दिया गया है। विशेष रूप से हवाई अड्डों पर निगरानी जरूरी है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि हवाई अड्डों पर पुख्ता निगरानी की गई होती, तो भारत में कोरोना को आने से रोका जा सकता था। अगर यह नया कोरोना वायरस डेल्टा या अन्य वायरस से ज्यादा खतरनाक है, तो हमें उन तमाम बिंदुओं पर जांच, चौकसी बढ़ा देनी चाहिए, जहां से यह वायरस देश में घुस सकता है। किसी भी स्थिति में ऐसी कोई ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए कि तीसरी लहर की नौबत आए। अभी इसी सप्ताह एम्स के निदेशक ने कहा था कि तीसरी लहर के तीव्र होने की आशंका नहीं है, लेकिन हमें कोशिश करनी चाहिए कि तीसरी लहर आए ही नहीं। फिर भी, पूरी सावधानी बरतने की जरूरत है। यह नया वेरिएंट उस देश इजरायल में सामने आया है, जहां टीकाकरण सबसे पहले शुरू और संपन्न हुआ था। वहां वायरस लगभग काबू में आ गया था, लेकिन वहां नए वेरिएंट का एक मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य तंत्र के इस कदर हाथ-पांव फूल गए हैं कि देश में आपातकाल लगाने पर विचार चल रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री ने विशेषज्ञों की बैठक बुलाई और उसके बाद ही आपातकाल की चेतावनी दी है। कुल मिलाकर, इजरायल जैसा निडर देश अगर नए वेरिएंट को लेकर इतना चिंतित है, तो इसकी गंभीरता को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी तमाम देशों से सतर्क रहने के लिए कहा है। दक्षिण अफ्रीका के महामारी विशेषज्ञ तुलियो डे ओलिविएरा ने कहा है कि यह वेरिएंट काफी तेजी से फैल रहा है और अगले कुछ दिनों में हम देश के स्वास्थ्य तंत्र पर दबाव देख सकते हैं। ब्रिटिश सरकार ने पूरी सावधानी बरतते हुए दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, लेसोथो, इस्वातिनी, जिम्बाब्वे और बोत्सवाना से आने वाली सभी उड़ानों को निलंबित करने का निर्णय लिया है। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री ने भी उड़ानों पर रोक का फैसला किया है। क्वारंटीन नियमों को भी कड़ा किया गया है। यह वेरिएंट उन देशों के लिए खतरे की घंटी है, जिन्होंने क्वारंटीन नियमों में पूरी रियायत दे दी है और जो लॉकडाउन से पूरी तरह आजाद हो चुके हैं। इटली और अन्य देश भी समय रहते कदम उठाने की जल्दी में हैं। भारत में केंद्र सरकार ने अभी राज्य सरकारों को निर्देश देकर फौरी उपाय ही किया है। जिन देशों से नए वायरस के आने का खतरा है, क्या उन देशों से आने वाले लोगों को निगरानी में लिया जाएगा? क्या उनकी पूरी जांच होगी? क्या इन देशों से आने वाले लोग बचाव में पूरा सहयोग करेंगे? भारत में चिंता इसलिए भी ज्यादा है कि मेडिकल कॉलेज के छात्र भी सावधान नहीं हैं। कर्नाटक के मेडिकल कॉलेज में 100 से ज्यादा छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। कम से कम सजग और पढ़े-लिखे लोगों को कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं छोड़ना चाहिए, ताकि देश में बाकी लोग भी सावधानी बरतें।

प्रयोग

जग्गी वासुदेव/ मैं एक जगह गया था जहां योग और योगियों पर सभी प्रकार के प्रयोग किये जा रहे थे। उन्हें लगा कि प्रयोग करने के लिए मैं एक अच्छा साधन था, किसी ऐसे जानवर जैसा जिस पर आम तौर पर प्रयोग किए जाते हैं। उन्होंने मुझे बताया कि वे मेरे दिमाग में गामा तरंगों पर परीक्षण करना चाहते हैं। मुझे मालूम भी नहीं था कि मेरे दिमाग में ऐसी तरंगें भी थीं। मेरे शरीर के अलग अलग भागों पर, खास तौर पर सिर के भाग में, 14 इलेक्ट्रोड्स लगाए और फिर मुझे बोले,'अब आप ध्यान कीजिए'! मैंने कहा,'मैं कोई ध्यान नहीं जानता'। वे बोले, 'नहीं, नहीं, आप तो हर किसी को ध्यान सिखाते हैं'। मैंने जवाब दिया,'मैं लोगों को ध्यान सिखाता हूं क्योंकि वे एक स्थान पर स्थिर नहीं बैठ पाते। तो उन्हें बैठाए रखने के लिए मुझे उनको कुछ सिखाना पड़ता है'। तो वे बोले, 'ठीक है, तो बताईये, आप क्या कर सकते हैं'? मैंने कहा,'अगर आप कहें तो मैं बस स्थिर बैठा रहूंगा। तब उन्होंने कहा,'ठीक है, वैसा ही कीजिए'। तो मैं बैठ गया। लगभग 15 से 20 मिनट बाद, मुझे ऐसा लगा जैसे कोई मेरे घुटनों पर धातु की किसी चीज से मार रहा था। फिर उन्होंने मेरी कोहनियों और टखनों पर मारना शुरू किया सभी ऐसी जगहों पर जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। मैं नहीं जानता था कि उन्हें मेरे जोड़ों में क्या रु चि थी ? ये लगातार होता रहा और फिर उन्होंने मेरी पीठ पर मारना शुरू किया। मेरी रीढ़ अत्यधिक संवेदनशील है और जब वे मेरी पीठ पर मारने लगे तो मुझे लगा कि अब मुझे उनको बता देना चाहिए। जब मैंने आंखें खोलीं तो वे सब मेरी ओर अजीब नजरों से देख रहे थे। 'क्या मैंने कुछ गलत किया'? मैंने पूछा। वे बोले,'नहीं, पर हमारी मशीन के अनुसार आप मर चुके हैं'। मैंने कहा,'अच्छा ! ये तो बहुत जबरदस्त निदान है'। फिर उन्होंने कहा,'या तो आप मर चुके हैं या आप का दिमाग मर चुका है'। मैं बोला,'ये आप का दूसरा निदान बहुत अपमानजनक है। मैं पहली बात स्वीकार कर लूंगा। आप को जो कहना हो, कहिए। लेकिन मैं जिंदा हूं इसलिए आपके कहने से फर्क नहीं पड़ेगा। पर दिमागी रूप से मृत होने का प्रमाणपत्र कोई अच्छी बात नहीं है'। शारीरिक रूप से और मानसिक रूप से, आप की ये बढ़ी हुई योग्यता लोगों की भीड़ में भी आप को अलग खड़ा कर देगी, अगर आप क्रियायें पर्याप्त रूप से करें।

लिटमस टेस्ट बनेंगे अगले विधानसभा चुनाव

– ऋतुपर्ण दवे

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अगले चन्द हफ्तों में होने जा रहे 5 राज्यों के चुनावों के साथ फिर से इलेक्शन मोड में आ गया है। सच कहें तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहां हर साल बल्कि हमेशा कहीं न कहीं और कोई न कोई चुनाव होते ही रहते हैं। इन पर होने वाले भारी-भरकम खर्च के लिहाज से भले ही लोगों की अलग-अलग राय हो लेकिन जनता के द्वारा जनता के हाथों, जनता की हर स्तर की सरकार बनाने की जो रीत अपने देश में है, सच में अनूठी है और दुनिया के कई दूसरे देशों के लिए आश्चर्य और विश्वास का विषय भी। कई मौकों पर तानाशाही के आरोपों से घिरी मजबूत और दंभी सरकारों को इसी लोकतंत्र ने न केवल गिराकर दिखाया बल्कि सक्षम या बहुमत के हाथों में सत्ता की कमान न पहुंच पाने के चलते जल्दी-जल्दी और जबरदस्त उलट-पलट का दौर भी देखा। शायद भारत ही इकलौता ऐसा लोकतांत्रिक गणतंत्र है जहां बहुमत, अल्पमत और मिली-जुली सरकारों के हाथों में भी सुरक्षित जनतंत्र के सच पर कभी आंच तक नहीं दिखी। सरकार के फैसलों को बदलने के लिए आन्दोलनों की जो रवायत भारत में है, शायद ऐसी कहीं न होगी। बस यही खूबी भारत को दुनिया से अलग करती है और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों व स्थानीय क्षत्रपों की पैनी और कई बार दूषित निगाहों के बावजूद कभी भी लोकतंत्र पर जरा सी भी आंच न आने देने का सच ही भारत की महाशक्ति और दुनिया की उभरती ताकत का अहसास कराता है। साल भर से चल रहे किसान आंदोलन और इसके चलते तीनों कृषि कानूनों की वापसी की प्रक्रिया शुरू होने के बाद विशेषकर उत्तर प्रदेश और पंजाब पर सबकी खास निगाहें हैं। दरअसल कृषि कानूनों को लेकर सबसे ज्यादा असर पंजाब व उत्तर प्रदेश में पड़ेगा, ऐसा माना जा रहा है। पूर्ण बहुमत की दूसरे टर्म की मोदी सरकार के लिए 2022 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर विधानसभा चुनावों के नतीजे लिटमस टेस्ट सरीखे होंगे। माना जा रहा है कि दो बड़े राज्य उप्र उसमें भी विशेषकर पश्चिमी उप्र और पंजाब किसान बहुल और किसान राजनीति के बड़े केंद्र हैं। इन्हीं राज्यों की किसी न किसी रूप में पूरे देश में कोई न कोई छाप दिख ही जाती है। ऐसे में साल भर से चल रहा किसान आंदोलन चिंता का सबब तो बनना ही था। अब कथित किसान विरोधी तीनों कृषि कानून समाप्ति को लेकर कैबिनेट की मुहर के बाद भी आंदोलन की ठंडी न पड़ती आग से एक अलग चिंगारी उठती दिख रही है। जाहिर है नरेन्द्र मोदी के लिए दोनों आम चुनावों जैसे सकारात्मक बल्कि कहें एकतरफा माहौल के बीच एक अकेला यह आंदोलन ही चुनौती दिख रहा हो ऐसा नहीं है। कोविड-19 के बुरे दौर और लगातार अर्थव्यवस्था पर पड़ते जोर खासकर पेट्रोलियम पदार्थों की बेलगाम कीमतों और खाद्य पदार्थों की बेतहाशा मंहगाई ने ही नरेन्द्र मोदी जैसे दृढ़ इच्छा शक्ति और कड़े फैसले लेने वाले को तीनों कृषि कानूनों की वापसी खातिर मजबूर किया हो। इसके पीछे के तर्क-कुतर्क अलग राजनीतिक बहस के मुद्दा हो सकते हैं। लेकिन सच यही है कि बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कृषि कानूनों की वापसी का कार्ड कितना सटीक होगा, यह उत्तर प्रदेश और पंजाब में 2022 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव नतीजे ही बताएंगे। भाजपा के अंदरखाने भी इस वापसी पर जबरदस्त क्रिया-प्रतिक्रिया तो समझ आ रही है लेकिन बाहर ज्यादा सुगबुगाहट दिख नहीं रही है। हालांकि मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्र में मंत्री रह चुकीं उमा भारती जो अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने दो टूक कहकर सबको चकित जरूर कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने जब तीनों कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा की तो मैं अवाक रह गई और व्यथित हूँ। इसलिए 3 दिन बाद प्रतिक्रिया दे रही हूँ। कृषि कानूनों की महत्ता नहीं समझा पाना हम सब कार्यकर्ताओं की कमी है। हम क्यूँ नहीं किसानों से ठीक से संपर्क एवं संवाद कर पाए? मोदी जी बहुत गहरी सोच एवं समस्या की जड़ को समझने वाले प्रधानमंत्री हैं। भारत की जनता और मोदी जी का आपस का समन्वय, विश्व के राजनीतिक, लोकतांत्रिक इतिहास में अभूतपूर्व है। कृषि कानूनों के संबंध में विपक्ष के निरंतर दुष्प्रचार का सामना भी हम नहीं कर सके। लेकिन मेरे नेता ने कानूनों को वापस लेते हुए भी अपनी महानता स्थापित की है। यकीनन कहीं न कहीं हवा के रुख को भांपा गया है। कृषि कानूनों की वापसी के पहले 30 अक्टूबर को हुए उपचुनावों के नतीजे भी काफी हैरान करने वाले रहे। जिसमें 14 राज्यों के 3 लोकसभा और 29 विधानसभा उपचुनावों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों को 15 विधानसभा और 1 लोकसभा सीट पर जीत मिली। वहीं 14 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटें राजनीतिक विरोधियों के खाते में चली गईं। हो सकता है कि इसका ईमानदार विश्लेषण किया गया हो? प्रधानमंत्री मोदी ने बिना झिझक सच्चाई को स्वीकारा हो और कृषि कानूनों की वापसी के फैसले पर अपने बेलाग अंदाज से ही बड़ा संदेश दिया हो? यह बात अलग है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे। लेकिन फिलहाल भारतीय राजनीति में भूचाल जैसी स्थिति जरूर आ गई है। इधर किसान भी झुकते नहीं दिख रहे हैं। संसद के आगामी सत्र में कानून वापसी के बाद राजनीति की क्या दिशा होगी यह पूर्वानुमान बेमानी होगा। किसान इसे अपनी जीत समझ रहे हैं तो, विपक्षी सरकार की हार मान रहे हैं। वहीं सरकार इसे अपनी उदारता बता रही है। कुल मिलाकर सारा कुछ फिर उसी लोकतंत्र की कसौटी पर कसने के लिए तैयार दिख रहा है जिसकी दुंदुभि अगले बरस की शुरुआत में 5 राज्यों के चुनाव से बजेगी। इसके लिए वक्त बहुत कम है लेकिन धड़कनें सबकी बढ़ी हुईं हैं। राजनीति पंडितों ने 30 अक्टूबर के उपचुनावों को बड़ा संकेत माना है लेकिन जब इन कृषि कानूनों का मामला सुप्रीम कोर्ट गया था तो उसने कानूनों की संवैधानिक वैधता जांचे बिना उनके अमल पर रोक लगा बहुत बड़ा बल्कि कहें क्रांतिकारी कदम उठाया और तय किया कि कानून की वैधता जांचे बिना किसान संगठनों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जाए लेकिन किसान नहीं गए। इस पर एटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल की तत्काल प्रतिक्रिया भी आई थी जिसमें उन्होंने इसे गलत परंपरा बताते हुए कहा था कि सर्वोच्च अदालत कोई पंचाट नहीं है, एक संवैधानिक अदालत है जिसे अपने अधिकार के दायरे में ही रहकर काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की कमेटी भी बनाई लेकिन किसानों ने वहां भी जाना उचित नहीं समझा। हालांकि कमेटी आठ महीने पहले रिपोर्ट सौंप दी चुकी है जिसे न तो सार्वजनिक किया गया न ही सुनवाई हुई। अब इन्हीं कानूनों की वापसी कर प्रधानमंत्री ने भी बड़ा दाँव जरूर फेंक दिया है। शह और मात की राजनीति के खेल में 5 राज्यों के चुनाव के बाद गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छतीसगढ, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है। कृषि कानूनों से इतर ममता बनर्जी की सफलता और अब केंद्र में निगाह और पूर्वोत्तर राज्यों पर दांव तो अरविन्द केजरीवाल का कई राज्यों पर पासा, उत्तर प्रदेश में सपा, आरएलडी व अन्य छोटे-छोटे दलों का गठबन्धन तो पूर्वोत्तर में नई संभावनाएं के बीच देश की भूख मिटाने वाले किसानों का मुद्दा सबसे अहम होने के बावजूद भाजपा के लिए किसान आन्दोलन और बढ़ती महंगाई देश भर में प्रभाव डालने वाले कदम लग रहे हैं। शायद इसीलिए कृषि कानूनों की वापसी, पेट्रोल के दामों में कटौती का बड़ा दांव खेला गया।

तेल उत्पादों की कर-निर्धारण नीति तार्किक बने

सुषमा रामचंद्रन

पेट्रोल और डीज़ल पर हाल में घटाई गई एक्साइज ड्यूटी स्वागतयोग्य है, किंतु यह बहुत देर से उठाया गया कदम है। इस निर्णय ने भाजपा शासित राज्यों में वैट में सापेक्ष कटौती करने का दौर शुरू किया। पंजाब को भी यह कड़वा घूंट पीना पड़ा है, जबकि अन्य गैर भाजपा राज्यों में मामला विचाराधीन है। अन्य शब्दों में कहें तो कर-उगाही हेतु पेट्रोल-डीज़ल को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझ कर दोहन करने के घिसे-पिटे उपाय में केंद्र और राज्य सरकारें कुछ कमी लाई हैं। साथ ही सरकार द्वारा तेल के आपातकालीन भंडार से तेल निकालने की घोषणा से तेल के दामों में कमी होने की उम्मीदें भी जगी हैं। पेट्रोलियम पदार्थों पर भारी कर लगाने की अगुवाई भले ही केंद्र सरकार की रही हो लेकिन राज्य सरकारें भी तगड़ा टैक्स ठोकने में पीछे नहीं रही। वहीं पेट्रोलियम उत्पाद को जीएसटी के दायरे में लाने का प्रस्ताव कभी नहीं आ पाया। केरल उच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद बेशक जीएसटी कांउसिल को इस प्रस्ताव पर विचार करना पड़ा, लेकिन आशा के अनुरूप सबकी प्रतिक्रिया नकारात्मक रही। सरकारों को डर है कि अगर पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाया गया तो केंद्र और राज्य, दोनों को, तेल से होने वाली आमदनी में भारी कमी होगी। एक्साइज़ ड्यूटी और वैट लगाने से पहले वाले वक्त में, पेट्रोल पंप वाली खुदरा कीमतों में, इनका अंश लगभग 66 प्रतिशत हुआ करता था। इसके बरअक्स अब तेल-उत्पाद 28 फीसदी वाली जीएसटी स्लैब में हैं। इस स्तर पर भी, प्राप्त कर राज्य और केंद्र सरकारें आपस में बांटती हैं। अगर इसमें और कमी आती है तो यह उनके खजाने को बहुत भारी पड़ेगी। फलतः भारत उन मुल्कों में से एक है जहां पेट्रोलियम उत्पादों पर कर दुनियाभर में सबसे ज्यादा है। यह दर विकसित यूरोपियन देशों के बराबर है। लेकिन हमारी देश की आर्थिकी में प्रति व्यक्ति आय विकसित देशों के मुकाबले कम है। तेल की मौजूदा कीमतें आम उपभोक्ता पर कमरतोड़ बोझ हैं, खासकर हाशिए पर आते वर्ग पर। रसोई गैस की कीमत में हुई हालिया बारम्बार वृद्धि ने ग्रामीण और शहरी, दोनों जगह, इन लोगों पर बुरी तरह चोट की है। इस संदर्भ में उज्ज्वला योजना को गिना जा सकता है कि घरों में धुआं पैदा करने वाली लकड़ी और कोयले से जलने वाली अंगीठी की जगह अब स्वच्छ ईंधन के रूप में एलपीजी ने ले ली है। लेकिन इसमें झोल यह है कि पहले मिले मुफ्त सिलेंडर के बाद इस्तेमालकर्ता के पास रिफिल भरवाने लायक पैसा नहीं होने की वजह से फिर से रिवायती ईंधन की ओर मुड़ना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर सरकार मुश्किलों में और इजाफा कर रही है। अध्ययन करना जरूरी होगा कि क्या रसोई गैस सिलेंडर के ऊंचे मूल्य की वजह से घरेलू उपभोक्ताओं में इसका चलन कम होने लगा है। कहने को यह सिद्धांत गिना सकता है कि परिवहन में प्रयुक्त ईंधन पर कर बढ़ाने से न केवल इसकी खपत कम होगी बल्कि खतरनाक कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। कुछ विकसित देश भारी भरकम टैक्स उगाहने के साथ-साथ इस राह को चुनना चाहते हैं। लेकिन भारत के परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता कम ही है, जहां ऊंचे कर का नतीजा परिवहन के लिए स्वच्छ ऊर्जा चालित साधनों की ओर मुड़ने वाला नहीं हो सकता। हमारे यहां आज की तारीख में इलेक्ट्रिक (बैटरी) वाहनों की कीमत बहुत ज्यादा है। अतएव समझदारी यही होगी को पेट्रोलियम पदार्थों पर लगाए कर को धीरे-धीरे अधिक हितकारी बनाया जाए, खासकर जब दीर्घकाल में पर्यावरण-मित्र ऊर्जा स्रोत इसकी जगह लेने वाले हैं। हालांकि, यह अल्पकालीन उपाय साफतौर पर आगामी सूबाई

चुनावों में वोटर को खुश करने के मद्देनज़र है। तेल में निरंतर मूल्य वृद्धि से परोक्ष बोझ के अलावा, अपरोक्ष असर तमाम वस्तुओं की कीमतों पर चक्रवृद्धि स्वतः पड़ता है। चुनाव के मद्देनजर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी तब तक संभव नहीं होती जब तक सरकारों के पास सहनयोग्य क्षमता न हो । कोविड जनित मंदी के बाद आर्थिकी की पुनः गति पकड़ना उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज रहा है, लिहाजा साल के पहली छमाही में परोक्ष कर उगाही में 74 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। यदि इसको निचले आधार वाला मानें, तब भी यह सूचकांक कर-प्राप्ति में सकल वृद्धि दर्शाता है। इसी तरह, जीएसटी उगाही में अक्तूबर माह में रिकॉर्ड 1.3 लाख करोड़ की आमद हुई है।इसलिए यह समय है कि केंद्र सरकार कर के मोर्चे पर कुछ और बलिदान करे। महामारी के दौरान पेट्रोल पर 13 रुपये और डीजल पर 16 रुपये की जो अतिरिक्त एक्साइज़ ड्यूटी लगाई गई थी, उसको किश्तों में घटाने की बजाय – जैसा कि पेट्रोल (5 रुपये) और डीज़ल (10 रुपये) घटाकर किया गया है – एकमुश्त कम किया जाए। तेल क्षेत्र पर जरूरत से ज्यादा कर बोझ डालना आपातकालीन स्थिति से निपटने के फौरी उपाय के तौर पर था। अब जबकि वित्तीय परिदृश्य स्पष्टतः ज्यादा बेहतर है तो बदले हुए हालात की दरकार है पेट्रोलियम उत्पाद कर-नीति को तार्किक बनाने की।

सू-दोकू नवताल -1974

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

सू-दोकू -1973 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1974

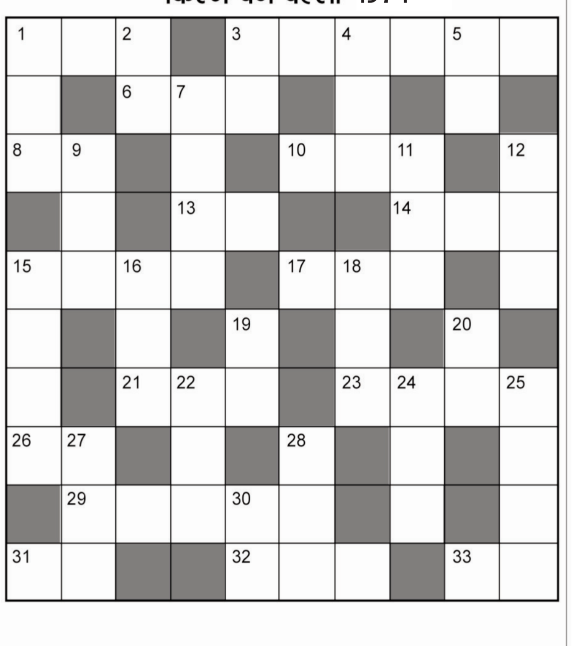

बायें से दायें:-

1. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-3
3. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-2,2,2
6. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-3
8. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-2
10. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-3
13. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नताम्या की फिल्म-2
14. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-3
15. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-4
17. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-3
21. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-3
23. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-2,2
26. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
29. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-5
31. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-2
32. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-3
33. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-3
2. 'करीब' में बॉबी की नायिका -2
3. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
4. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-3
5. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-2
7. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-2,2
9. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-3
11. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-3
12. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-3
15. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-4
16. 'आवारा' की नायिका कौन थी-3
18. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-3
19. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-2
20. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-2
22. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-1,2
24. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-3
25. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-4
27. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-3
28. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-3
30. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 1973

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टो	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	रा	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		रा		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
र्मी			स	न	म			यु	वा

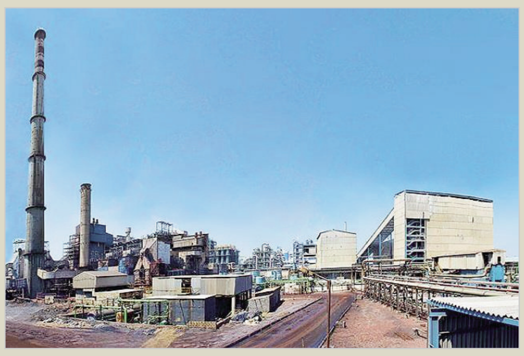

जीएचसीएल तमिलनाडु में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सरकार के साथ किया समझौता

बिजनेस डेस्क। रसायन और कपड़ा कंपनी जीएचसीएल लिमिटेड तमिलनाडु में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। उसने इस बारे में राज्य सरकार के साथ एक समझौता किया है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जीएचसीएल (धागा प्रभाग) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एम शिवबालसुब्रमण्यम ने हाल ही में कोयंबटूर में आयोजित निवेश सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की उपस्थिति में इस बारे में समझौता ज्ञापन (एमओयू) दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। जीएचसीएल ने कहा कि वह सिंथेटिक और सिंथेटिक मिश्रण वाले धागे का उत्पादन करने के लिए तिरुचिरापल्ली जिले के मणप्पराई इलाके में 40,000 रिंग स्पिंडल स्थापित करेगी। कंपनी राज्य के मदुरई जिले में 24 बुनाई मशीनों के साथ 40,000 अन्य रिंग स्पिंडल स्थापित करेगी ताकि 100 प्रतिशत सूती धागे और बुने हुए कपड़े का उत्पादन किया जा सके।

दिल्ली में टमाटर की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। देश भर में टमाटर की कीमतों में भारी उछाल है। ऐसे में सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश के उत्तरी राज्यों से टमाटर की नई फसल की आवक के साथ दिसंबर से इसके भाव नरम पड़ने की उम्मीद है। टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य बेमौसम बारिश के चलते पिछले साल के मुकाबले 63 प्रतिशत बढ़कर 67 रुपए प्रति किलो होने के साथ सरकार का यह बयान आया है। वहीं प्याज के मामले में, खुदरा कीमतें वर्ष 2020 और वर्ष 2019 के स्तर से काफी नीचे आ गई हैं। आपूर्ति सामान्य होने के साथ ही टमाटर की कीमतें 35 रुपए प्रति किलोग्राम से 40 रुपए प्रति किलोग्राम तक गिर गई हैं। वहीं, सब्जी बाजार के एक टमाटर विक्रेता का कहना है कि भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश और आयातित टमाटर की अपर्याप्त मात्रा के कारण कीमतें बढ़ गई थीं।

जीएसटी परिषद को दरों को युक्तिसंगत बनाना चाहिए : पीएचडी चैंबर

नई दिल्ली। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने जीएसटी परिषद से अपनी आगामी बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने का आग्रह किया है। उद्योग निकाय के अनुसार, मौजूदा दरें देश में मांग सृजन और रोजगार सृजन के अनुरूप नहीं हैं। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रदीप मुल्तानी ने कहा, हम सरकार से जीएसटी दरों को 5 फीसदी, 10 फीसदी और 15 फीसदी के तीन प्रमुख स्लैबों के साथ-साथ 28 फीसदी के स्लैब में कुछ सिन गुड्स में युक्तिसंगत बनाने का आग्रह करते हैं। तदनुसार, उद्योग निकाय ने कहा कि 12 प्रतिशत की दर से वस्तुओं को घटाकर 10 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से वस्तुओं को 15 प्रतिशत तक कम किया जाना चाहिए। 0 और 5 प्रतिशत श्रेणी की वस्तुओं को यथावत रखा जाना चाहिए। सिन गुड्स की श्रेणी में 25 से अधिक आइटम नहीं होने चाहिए, जिन्हें 28 प्रतिशत पर रेट किया गया है। मुल्तानी के अनुसार, टैक्स स्लैब के युक्तिकरण से अर्थव्यवस्था में जबरदस्त मांग पैदा होगी, मुद्रास्फीति के दबाव कम होंगे, उत्पादन के लिए उत्पादकों की भावनाओं में वृद्धि होगी और देश में बढ़ते कार्यबल के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मुल्तानी ने कहा, कर आधार और कर से जीडीपी अनुपात बढ़ाने के लिए कम कर हमेशा अच्छे होते हैं। आगे बढ़ते हुए, देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के लिए एक समान खेल मैदान महत्वपूर्ण होगा।

वित्त वर्ष 2022 में कपड़ा क्षेत्र की सालाना बिक्री में सुधार की मजबूत मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) ने कहा कि मजबूत घरेलू और निर्यात मांग से वित्त वर्ष 22 में समग्र कपड़ा क्षेत्र की साल-दर-साल बिक्री में सुधार होगा। एजेंसी के अनुसार, घरेलू और निर्यात मांग शेष वित्त वर्ष 22 के दौरान बनी रहेगी। इसके अलावा, इसने वित्त वर्ष 22 के रिमाइंडर के लिए सेक्टर के रेटिंग आउटलुक को स्थिर पर बनाए रखा है, जिससे सेक्टर के खिलाड़ियों की लाभप्रदता में निरंतर सुधार और उनकी बैलेंस शीट के निरंतर विचलन की उम्मीद है। उच्च बिक्री मात्रा और बढ़े हुए पूंजीगत व्यय के पीछे कार्यशील पूंजी की आवश्यकता में संभावित वृद्धि के बावजूद मजबूत ऑपरेटिंग कैश फ्लो से उनके क्रेडिट मेट्रिक्स में सुधार होगा। एकीकृत व्यापार संचालन के लाभ, स्वस्थ बैलेंस शीट तरलता और वित्त वर्ष 2012 में परिचालन क्षमता को पहले ही रेटिंग में शामिल कर लिया गया है। एजेंसी के अनुसार, शहरों में मॉल और रिटेल स्पेस बंद होने के कारण, वित्त वर्ष की 22 की पहली तिमाही के दौरान मामूली गिरावट से पहले घरेलू मांग में वित्त वर्ष 21 की दूसरी तिमाही में सुधार हुआ। वित्त वर्ष 22 की पहली तिमाही के दौरान, खिलाड़ियों ने सालाना आधार पर वॉल्यूम में वृद्धि देखी, हालांकि इसमें साल दर साल में मामूली गिरावट आई। इसके अनुसार, सूती धागे और कपड़े जैसे खंडों में वित्त वर्ष 22 की पहली तिमाही के दौरान डाउनस्ट्रीम खिलाड़ियों से साल-दर-साल उच्च मांग देखी गई।

होम टेक्सटाइल की घरेलू मांग बनी हुई है, जबकि बुने हुए कपड़े और परिधानों के लिए वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही से खुदरा दुकानें और मॉल खुलने की संभावना है। इसके अलावा, एजेंसी को उम्मीद है कि त्वरित टीकाकरण और चाइना प्लस वन सोसिंग रणनीति के कारण वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में निर्यात मांग में मामूली सुधार होगा।मांग में वित्त वर्ष 2023 के बाद और सुधार होने की संभावना है।

Paytm Q2 Results: दूसरी तिमाही में पेटीएम को हुआ 473 करोड़ रुपये का घाटा, इनकम में हुआ इजाफा

(एजेंसी)।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का 30 सितंबर, 2021 को समाप्त दूसरी तिमाही में एकीकृत घाटा बढ़कर लगभग 473 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 436.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय 49.6 प्रतिशत बढ़कर 1,086.4 करोड़ रुपये हो गई, जो 2020-21 की इसी तिमाही में 663.9 करोड़ रुपये थी। शुक्रवार को बीएसई में कंपनी का शेयर 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,781.15 रुपये पर बंद हुआ।

भारत को जलवायु लक्ष्यों को पाने के लिए मौजूदा नजरिये में बदलाव लाना होगाः फिच

नयी दिल्ली। भारत को वर्ष 2030 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने मौजूदा नजरिये में बदलाव करना होगा। रेटिंग एजेंसी फिच इंडिया ने शुक्रवार को यह बात कही।प्रधानमंत्री मोदी ने सीओपी26 में घोषणा की थी कि भारत अपनी गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली उत्पादन क्षमता को 5,00,000 मेगावॉट तक बढ़ाने के साथ अपनी ऊर्जा का 50 प्रतिशत नवीकरणीय स्रोतों से हासिल करेगा तथा कार्बन उत्सर्जन को एक अरब टन तक घटाएगा। फिच सॉलूशंस ने एक नोट में कहा, ''भारत वर्तमान में अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ मजबूत आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने की चुनौती का सामना कर रहा है।'' रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''भारत को यदि अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना है, तो उसे अपने वर्तमान नजरिये में पर्याप्त रूप से परिवर्तन करना होगा। वर्तमान स्थिति के आधार पर भारत अपने जलवायु उद्देश्यों को समय पर पूरा करने से काफी पीछे रह जाएगा।'' वर्ष 2020 तक देश के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में कोयले, तेल और प्राकृतिक गैस का हिस्सा क्रमशः 55, 28 और सात प्रतिशत था।

अमेरिकी वयस्क अब पारंपरिक टीवी देखने की तुलना में ओटीटी पर अधिक स्ट्रीम करते हैं

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

विश्व स्तर पर बढ़ते रुझान को प्रदर्शित करते हुए, गार्टनर की एक रिपोर्ट से पता चला है कि 18-43 आयु वर्ग में अमेरिकी दर्शक केबल, ब्राडकास्ट या सेटेलाइट की तुलना में अब अपने कुल टीवी देखने के समय का औसतन 63 प्रतिशत विभिन्न स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखते हैं। टीवी स्ट्रीमिंग पर खर्च होने वाला समय बढ़ रहा है। गार्टनर मार्केटिंग प्रैक्टिस के सीनियर डायरेक्टर एनालिस्ट एरिक शिमट ने कहा, हालांकि, स्ट्रीमिंग सर्विसेज मीडिया मार्केटप्लेस अभी भी विज्ञापन-मुक्त सेवाओं की लोकप्रियता के कारण बहुत खंडित, अपरिपक्व और चुनौतीपूर्ण है। शीर्ष छह स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं में से चार विज्ञापन-मुक्त (नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, डिजनी प्लस और एचबीओ मैक्स) हैं, लेकिन शीर्ष 16 में से 10 मुख्य रूप से विज्ञापन-समर्थित (जैसे ई.जी. यूट्यूब और हुलु) हैं। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि 80 प्रतिशत अमेरिकी दर्शक (सर्वेक्षण वाले) कुल मिलाकर कम से कम एक स्ट्रीमिंग टीवी सेवा का उपयोग करते हैं और 64 प्रतिशत कम से कम एक विज्ञापन-समर्थित सेवा देखते हैं। गार्टनर मार्केटिंग प्रैक्टिस के अनुसंधान निदेशक कात्या स्कोजन ने कहा, उपभोक्ताओं की स्ट्रीमिंग सेवा के विकल्प और देखने की आदतें उम्र और लिंग के अनुसार काफी भिन्न होती हैं। उदाहरण के लिए, हम देखते हैं कि युवाओं (18-43 वर्ष) में स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं का एक व्यापक पोर्टफोलियो है। स्कोजन ने कहा, स्ट्रीमिंग सेवा विविधता के लिए यह प्रवृत्ति विशेष रूप से युवा पुरुषों के लिए सच है। दूसरी ओर, कम उम्र की महिलाएं कम सेवाओं का उपयोग करती हैं, लेकिन अधिक घंटे स्ट्रीमिंग में बिताती हैं। कंपनियों को अब स्ट्रीमिंग टीवी अभियान के उद्देश्यों का आकलन करना चाहिए, जिसमें पहुंच को अधिकतम करना, मुख्यधारा के टीवी विज्ञापन खरीदना या प्रदर्शन-उन्मुख डिजिटल विज्ञापन उद्देश्यों को बढ़ाना शामिल हो सकता है। शिमट ने कहा, विपणन लीडर्स को टीवी विज्ञापनों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए उच्च विकास, माध्यम को नेविगेट करना सीखना चाहिए।

यूपी में युवाओं को स्टार्टअप के लिए तैयार करेगा ईडीआईआई, मिलेंगे रोजगार के अवसर

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी के युवाओं को अब उद्यमी बनाने के लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद यहां के विश्वविद्यालय के साथ मिलकर उन्हें ना सिर्फ ट्रेनिंग देगा, बल्कि उन्हें उनके स्टार्टअप के लिए भी तैयार करेगा। इसको लेकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू (समझौता-पत्र) पर हस्ताक्षर किये गए हैं। इससे न सिर्फ छात्रों को उद्यमिता की दिशा में कदम बढ़ाने का रास्ता खोला है बल्कि गांव-गिरांव में भी उद्यमियों को तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। राजभवन में एक विशेष कार्यक्रम में हुए इस समझौते को करने वाले विश्वविद्यालयों में गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) और कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) शामिल हैं। शनिवार को एक प्रेसवार्ता में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ल ने बताया कि यह कार्यक्रम छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित एवं मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालयों में लागू होना है। नए शैक्षिक सत्र से छात्रों के लिए लघु एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इस बावत राजभवन लखनऊ में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये हैं। एमओयू पर ईडीआईआई अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल और सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक और एमएमएमटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने राज्यपाल के समक्ष हस्ताक्षर कर दिए हैं। इससे छात्रों को अब उद्यमिता के क्षेत्र में कदम बढ़ाने का अवसर मिलेगा और प्रदेश को एक उद्यमी प्रदेश के रूप में अपनी पहचान मिलने का रास्ता खुलेगा। शुक्ल ने बताया कि इस एमओयू के तहत उत्तर प्रदेश में नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता की दिशा में छात्रों को प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया जायेगा। अब इन दोनों विश्वविद्यालयों में उद्यमिता पाठ्यक्रमों का संचालन, छात्र को स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन में सहयोग, आपसी संसाधनों को साझा करना, फैकल्टी ट्रेनिंग, शोधपत्रों का पब्लिकेशन इत्यादि में ईडीआईआई मदद करेगा। इस एमओयू के माध्यम से प्रदेश के विश्वविद्यालयों में उद्यमिता के अनुकूल वातावरण बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है! यह एमओयू 03 वर्ष की अवधि के लिए है। डॉ. सुनील शुक्ल ने बताया की डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) के साथ 13 जनवरी 2020 को ही ईडीआईआई से समझौता हो चुका है। ईडीआईआई द्वारा एक बैच फैकल्टी ट्रेनिंग का कार्यक्रम भी पूरा करवाया जा चुका है। यहां के प्रशिक्षित शिक्षक अपने-अपने संस्थानों में नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। इन्हें ईडीआईआई समय-समय पर मार्गदर्शन कर रहा है। बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है।

फिर से सस्ता होगा पैट्रोल-डीज़ल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महंगाई की मार से जूझ रही आम जनता को जल्द ही खुशखबरी मिल सकती हैं। केंद्र सरकार पैट्रोल-डीज़ल के दाम में एक बार फिर से कमी कर सकती हैं। पिछले 2 दिन में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत की कमी आई हैं और कच्चा तेल सस्ता होने से तेल कंपनियों की लागत कम हो गई है। सरकार इसका फायदा आम जनता को पहुंचाने के लिए पैट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कमी कर सकती है। इस महीनें 6 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई थी। लेकिन शुक्रवार को बाजार में आई भारी गिरावट के बाद कच्चे तेल की कीमतें 68 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं और इनमें 20 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सबसे बड़ा कारण दक्षिण अफ्रीका में मिला कोरोना का नया वेरिएंट हैं। इस वेरिएंट की खबर आने के बाद कई देशों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी हैं जिससे कच्चे तेल की खपत पर असर पड़ेगा। लिहाजा कीमतों में गिरावट देखी जा रही हैं। इससे पहले कच्चे तेल की कीमतों पर काबू पाने के लिए भारत-अमेरिका और चीन सहित कुछ देशों ने अपने रिजर्व ऑयल भंडार से तेल रिलीज करने का फैसला किया था, इससे भी कच्चे तेल की कीमतों में दबाव आया है। मोदी सरकार ने इसी महीनें 4 नवंबर को पैट्रोल पर 5 रुपए और डीजल पर 10 प्रति लीटर एक्साईज़ की कटौती की थी। जिससे पैट्रील और डीज़ल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगी थी अब महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार एक बार फिर से पैट्रोल-डीज़ल की कीमतों में कमी कर सकती हैं।

ओडिशा में जेएसडब्ल्यू की 50,000 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए जनसुनवाई

(एजेंसी)।

ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में जिंदल स्टील वर्क्स (जेएसडब्ल्यू) के प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए शुक्रवार को जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जेएसडब्ल्यू ने 50,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक ''विश्वस्तरीय%% 1.2 करोड़ टन वार्षिक क्षमता वाले कारखाने, 900 मेगावॉट के बिजली संयंत्र और 3,000 एकड़ भूमि में एक खुद के इस्तेमाल (कैप्टिव) के बंदरगाह का प्रस्ताव रखा है। बंदरगाह शहर पारादीप के पास दक्षिण कोरियाई इस्पात कंपनी पॉस्को के स्थल को प्रशासन ने जेएसडब्ल्यू परियोजना की स्थापना के लिए चुना है।दक्षिण कोरिया की कंपनी एक विशाल इस्पात परियोजना लगाने की अपनी योजना को वापस ले चुकी है। जेएसडब्ल्यू ने इससे पहले इसी महीने जिला स्तर पर गडकुजंग, नुआगांव और ढिंकिया ग्राम पंचायतों में त्रिपक्षीय बैठकें की थीं। इस्पात कंपनी ने एक बयान में कहा कि पहली ग्राम स्तरीय बैठक शुक्रवार सुबह एर्सामा प्रखंड के गोविंदपुर में आयोजित की गई, जिसमें 200 ग्रामीणों, जिला प्रशासन और जेएसडब्ल्यू ने भाग लिया।

स्पॉटिफाई ने कार व्यू मोड सपोर्ट को किया समाप्त

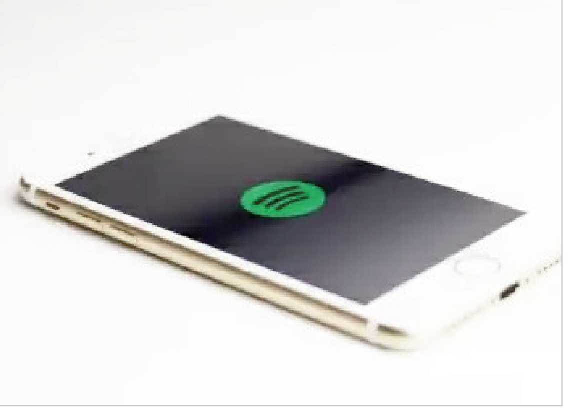

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

स्वीडिश म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म स्पॉटिफाई ने कहा कि यह रिटायरिंग कार व्यू है, जिसे 2019 की शुरूआत में तत्काल प्रतिस्थापन के बिना पेश किया गया था। अपने सामुदायिक मंच पर एक पोस्ट में, कंपनी ने पुष्टि की कि वह इस सुविधा को समाप्त कर रही है।

पोस्ट में बताया गया, हम पुष्टि कर सकते हैं कि हम कार व्यू सुविधा को समाप्त कर रहे हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस बात में सुधार नहीं करना चाहते हैं कि हमारे उपयोगकर्ता ड्राइविंग करते समय स्पॉटिफाई को कैसे सुनते हैं। इसके विपरीत, हम सक्रिय रूप से कई नए तरीकों की खोज कर रहे हैं। कार में सुनने का सबसे अच्छा अनुभव प्रदान करें। कार-व्यू को सेवानिवृत्त करने के बारे में सोचें, जो ट्रैक पर आने वाले नए नवाचारों के लिए रास्ता बनाने के प्रयास में होने की आवश्यकता है। 9टु5गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, कार व्यू ने पहले केवल प्लेबैक नियंत्रण, गाने के शीर्षक और अन्य प्रासंगिक जानकारी दिखाकर अपने इंटरफेस को सरल बनाने के लिए स्पॉटिफाई के लिए समर्थन की पेशकश की थी।इंटरफेस में काफी बड़े स्पर्श लक्ष्य और कैनवस वीडियो, गीत और अन्य जैसे कोई विचलित करने वाले तत्व नहीं थे। ब्लूटूथ पर कार से कनेक्ट होने पर सरलीकृत इंटरफेस स्वचालित रूप से दिखाई देगा और सेटिंग्स में प्रबंधित किया जा सकता है।

कोविड के नए 'स्ट्रेन' की वजह से डब्ल्यूटीओ की बैठक अनिश्चितकाल के लिए टली

नयी दिल्ली (एजेंसी)

कोरोना वायरस की वजह से विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 30 नवंबर से जिनेवा में होने वाली मंत्रिस्तरीय बैठक अनिश्चितकाल के लिए टल गई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस का एक नया 'वैरिएंट' सामने आया है। यह अधिक तेजी से फैलता है। इसी के मद्देनजर बैठक को अनिश्चितकाल के लिए टालने का फैसला किया गया है। डब्ल्यूटीओ की ओर से जारी बयान में 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक की नयी तारीखों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।स्विट्जरलैंड और कई अन्य यूरोपीय देशों में यात्रा अंकुशों तथा पृथकवास या क्वारंटीन की जरूरतों के मद्देनजर सामान्य परिषद के अध्यक्ष राजदूत दसियो कैस्टिलो (होंडुरास) ने शुक्रवार रात डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्यों की बैठक बुलाई और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। कैस्टिलो ने सामान्य परिषद से कहा, ''इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों तथा इनकी वजह से पैदा होने वाली अनिश्चित स्थिति के चलते मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को स्थगित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जैसे ही परिस्थितियां अनुमति देंगी हम यह बैठक फिर बुलाएंगे।'' डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक नगोजी ओकोंजो इवेला ने कहा कि यात्रा अंकुशों का मतलब है कि कई मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि इन सम्मेलन में आमने-सामने की बातचीत में शामिल नहीं हो पाएंगे। डब्ल्यूटीओ के सदस्यों ने एकमत से सामान्य परिषद तथा महानिदेशक का समर्थन किया।एक बयान में कहा गया है कि सामान्य परिषद ने मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को कोरोना वायरस की वजह से अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। इस नए वैरिएंट की वजह से कई देशों की सरकारों ने यात्रा अंकुश लगा दिए हैं जिसके चलते बैठक को स्थगित करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। यह दूसरा मौका है जबकि महामारी की वजह से 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक को टाला गया है। इससे पहले यह बैठक जून, 2020 में नूर-सुल्तान, कजाखस्तान में होनी थी।

डब्ल्यूटीओ जिनेवा स्थित 164 सदस्यीय बहुपक्षीय संगठन है। भारत 1995 से डब्ल्यूटीओ का सदस्य है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समय-समय की बात, कभी मिल रही थी हसन अली को गालियां, आज मिल रही तालियां

ढाका। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हसन अली ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार वापसी की है।दो सप्ताह पहले टी20 वर्ल्ड कप 2021 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैथ्यू वेड का बहुमूल्य कैच छोड़ने पर हसन अली को पाकिस्तान में गालियां मिल रही थी। लेकिन अब हसन अली ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 5 विकेट लेकर फॉर्म में वापसी की है। हसन अली ने जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में बांग्लादेशी टीम के लोअर ऑर्डर को क्रीज पर टिकने नहीं दिया। हसन की धारदार गेंदबाजी के दम पर मेजबान बांग्लादेश टीम पहली पारी में 330 रन बना सकी। 27 वर्षीय हसन ने 20.4 ओवर की गेंदबाजी में 51 रन देकर 5 विकेट चटकाए। हसन का वर्ष (2021) टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में यह पांचवीं 5 विकेट हॉल है। इससे पहले उन्होंने इस साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 बार जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 2 बार पांच विकेट हॉल अपने नाम किया था।हसन अली ने इस दौरान हमवतन पूर्व कप्तान इमरान खान और वकार यूनिस के एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक बार 5 विकेट हॉल के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। अब एक कैलेंडर ईयर में टेस्ट क्रिकेट में इमरान खान, वकार यूनिस और हसन अली के नाम 5 बार पांच विकेट हॉल का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए कई युवा खिलाड़ियों ने भारतीय चयनकर्ताओं की बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली।

कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए, चयनकर्ता और भारतीय क्रिकेट टीम आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए खिलाड़ियों का चयन करने में दुविधा में पड़ सकती है।

भारत अपने छह बड़े खिलाड़ियों के बिना कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेल रहा है, जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया है, जबकि केएल राहुल चोट लगने के कारण बाहर है। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुवाई कर रहे हैं, हालांकि कोहली मुंबई में दूसरे टेस्ट के लिए वापसी करेंगे और टीम की कप्तानी संभालेंगे। पिछली बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कई भारतीय खिलाड़ी चोटिल हो गए थे, इसके बाद युवा खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया था, लेकिन न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट सीरीज के लिए कई बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित और राहुल ने पारी की शुरुआत की थी और टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन किए थे। अब उनकी अनुपस्थिति में शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल ने कानपुर में पहले टेस्ट की पहली पारी में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाई। जहां मयंक ने 13 रन बनाए और गिल ने 52 रन की बेहतरीन पारी खेली। बता दें कि गिल और अग्रवाल दोनों पहले भारत के लिए विदेशी परिस्थितियों में सलामी बल्लेबाजी कर चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज में जाने से पहले भारत के पास अब रोहित, राहुल, शुभमन और मयंक के रूप में अपने सलामी बल्लेबाजों को चुनने के लिए चार विकल्प होंगे। दिलचस्प बात यह है कि ये चारों मध्य क्रम में भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इस बीच, श्रेयस अय्यर ने भी कोहली की अनुपस्थिति में मौके का अच्छा फायदा उठाया। मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने अपना पहला टेस्ट डेब्यू शतक बनाया। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि जब विराट अगले टेस्ट के लिए आते हैं तो क्या अय्यर को टीम में मौका दिया जाएगा या नहीं। लेकिन राहुल अभी भी चोट के कारण बाहर हैं।शानदार शतक के साथ टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का आगमन और गिल के रनों के बीच वापसी निश्चित रूप से रहाणे और पुजारा पर दबाव बनाएगी। दोनों पिछले दो सालों से लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में उनका स्थान भारतीय प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया हुआ है। मौजूदा पहले टेस्ट में पुजारा (26) और रहाणे (35) रन ही बना सके। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी और भले ही अनुभवी जोड़ी को उस टीम न लिया जाए।

कोरोना के डर से महिला क्रिकेट विश्व कप का क्वालीफायर राउंड रद्द, आईसीसी ने किया फैसला

दुबई।

बांग्लादेश, पाकिस्तान और वेस्ट इंडीज ने अगले साल न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। हालांकि, मेजबान देश जिम्बाब्वे, दक्षिणी अफ्रीका सहित कई देशों में नए कोविड वेरिएंट मिलने के बाद यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंध को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को क्वालीफायर राउंड को बीच में ही रद्द कर दिया। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर राउंड को रद्द करने का निर्णय नौ टीमों के टूर्नामेंट के प्रारंभिक लीग चरण के दौरान लिया गया, जिसे न्यूजीलैंड में खेले जाने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 के लिए अंतिम तीन टीमों का फैसला करना था। आईसीसी ने कहा, टूर्नामेंट खेलने के लिए शीर्ष रैंकिंग की टीमों को क्वालीफाई करने का फैसला किया गया। इसलिए, बांग्लादेश, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज न्यूजीलैंड में होने वाले वर्ल्ड कप में आगे बढ़ेंगे। आईसीसी के हेड ऑफ इवेंट्स क्रिस टेटली ने कहा, हम इस घटना के शेष कार्यक्रम को रद्द करने के लिए अविश्वसनीय रूप से निराश हैं, लेकिन कई अफ्रीकी देशों से यात्रा प्रतिबंध इतने कम समय में लगाए जाने कारण टीमों को वापसी घर भेजा जा रहा है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप - कार्लसन और नेपो की पहली बाजी बराबरी पर छूटी

दुबई .

विश्व शतरंज का ताज चुनने के लिए आखिरकार विश्व शतरंज चैंपियनशिप दुबई एक्स्पो मे शुरू हो गयी है, विश्व खिताब लगातार पाँचवीं बार जीतने उतरे नॉर्वे के मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और उनके चैलेंजर कैंडीडेट विजेता रूस के इयान नेपोमिन्सी के बीच 14 राउंड के टूर्नामेंट का पहला राउंड खेला गया । टॉस जीतकर नेपोमिन्सी नें सफ़ेद मोहरो से खेल की शुरुआत राजा के प्यादे को दो घर चलकर की थी और कार्लसन नें भी इसी चाल से जबाब दिया और जल्द ही खेल एंटी मार्शल राय लोपेज ओपनिंग मे पहुंचा गया जहां कार्लसन नें खेल की आठवीं चाल मे एक प्यादे की कुरबनाइ देते हुए खेल को रोचक बना दिया और अपने दो ऊंट से नेपो पर दबाव बनाने की कोशिश करने लगे पर सही समय पर अपने राजा को घोड़े को खेल में लाते हुए अच्छे बचाव के चलते नेपोमिन्सी नें खेल को बरबरी पर बनाए रखा और 45 चालों में कार्लसन को खेल ड्रॉ मानने पर मजबूर कर दिया । अब अगले मुक़ाबले में कार्लसन सफ़ेद मोहरो से मुक़ाबला खेलेंगे ।

इंडोनेशिया ओपन : रतचानोक इंतानोन से सेमीफाइनल में हारीं पीवी सिंधु

बाली।

भारतीय शटलर पीवी सिंधु का 2021 इंडोनेशिया ओपन का अभियान शनिवार को समाप्त हो गया, क्योंकि वह थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से महिला एकल सेमीफाइनल में हार गईं। 54 मिनट तक चले मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु 21-15, 9-21 और 14-21 से दुनिया की नंबर आठ खिलाड़ी इंतानोन से हारकर बाहर हो गईं। सिंधु लगातार तीन बार सेमीफाइनल में हारी हैं, सबसे पहले बीडब्ल्यूएफ इवेंट, फिर फ्रेंच ओपन और अब इंडोनेशिया ओपन में उन्हें हार मिली है। इसी के साथ इंतानोन से भी सेमीफाइनल में यह लगातार तीसरी हार है। विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में थाई शटलर के खिलाफ अच्छी शुरुआत की और जल्द ही 8-3 की बढ़त बना ली। इसके बाद इंतानोन ने मैच में वापसी की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम 21-15 से जीत लिया। इसके बाद, इंतानोन ने दूसरे गेम में जोरदार शुरुआत की, मैच के मध्य अंतराल तक 11-7 की बढ़त ले ली। थाई खिलाड़ी ने ब्रेक के बाद भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और 21-9 से जीत हासिल की। निर्णायक मुकाबले में, दोनों शटलर के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला, लेकिन इंतानोन ने मैच को 54 मिनट में 14-21 से जीतकर सिंधु को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। अब फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त इंतानोन का सामना दक्षिण कोरिया के एन सेयॉन्ग से होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्टीव स्मिथ की उप कप्तानी में वापसी से शेन वार्न खुश नहीं

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न इस बात से खुश नहीं हैं कि पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ कप्तानी की भूमिका में लौट सकते हैं, लेकिन डेविड वार्नर अपने क्रिकेट करियर के दौरान अभी भी अपने देश की कप्तानी या उप-कप्तानी से निलंबित रहेंगे। वार्न ने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्नस लाबुस्चगने को उप-कप्तान बनाने की मांग की है। स्मिथ, जिन्होंने 2018 में गेंद से छेड़छाड़ में शामिल होने को लेकर टीम में उनपर एक साल का प्रतिबंध लगा था, उन्हें आठ दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में शुरू होने वाली एशेज सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। बता दें कि, 2018 में केप टाउन के न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान एक विवाद हुआ था, जिसमें तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ, उनके उप कप्तान डेविड वार्नर और टीम के साथी कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर अलग-अलग समय के लिए प्रतिबंध लगाया गया था। एक साल के निलंबन के अलावा, स्मिथ पर दो साल कप्तानी करने पर भी बैन लगा था, जबकि वार्नर जो तत्कालीन उप-कप्तान थे, उनपर भी एक साल का प्रतिबंध के साथ आजीवन उप कप्तानी पर बैन लगाया गया था। वार्न ने शनिवार को हेराल्ड सन के एक कॉलम में लिखा, हम सभी स्टीव स्मिथ से प्यार करते हैं और हमें गर्व है कि वह फिर से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज बनेंगे, लेकिन उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम का उपकप्तान नहीं होना चाहिए था। हर कोई गलती करता है, लेकिन स्टीव स्मिथ को जो सजा दी गई थी, वह बहुत गंभीर थी।

अक्षर के टेस्ट करियर का यह पांचवां 5 विकेट हॉल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाज अक्षर पटेल की फिरकी ने ग्रीन पार्क की पिच पर कीवी बल्लेबाजों के खिलाफ कमाल दिखा दिया है। करियर का अपना चौथा टेस्ट मैच खेले रहे अक्षर ने सीरीज के पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन 5 विकेट झटके। अक्षर के टेस्ट करियर का यह पांचवां 5 विकेट हॉल है। शुरुआती 4 टेस्ट मैचों में बतौर भारतीय सबसे अधिक 5 विकेट झटकने का रिकॉर्ड अक्षर पटेल के नाम है।लिस्ट में दूसरे नंबर पर नरेंद्र हिरवानी हैं। हिरवानी ने टेस्ट करियर के शुरुआती 4 मैचों में 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किया था। 27 वर्षीय अक्षर भारत में कैलेंडर ईयर में टेस्ट क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाले पहले लेफ्ट आर्म स्पिनर बने हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 5 विकेट हॉल का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पेसर रोडनी हॉग के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 6 पारियों में हासिल की थी। दूसरे नंबर पर चार्ली टर्नर, टॉम रिचडर्सन और अक्षर पटेल हैं, जिन्होंने कारनामा एक समान 7 पारियों में किया है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे अधिक 4 प्लस विकेट झटकने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन और पाकिस्तान के पूर्व पेसर वकार यूनिस हैं। दोनों ने 9 बार यह कमाल किया है। चार्ली टर्नर ने 8 वहीं जॉनी ब्रिग्स और अक्षर पटेल ने 6 बार यह रिकॉर्ड बनाया है। अक्षर ने साल 2021 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के जरिए टेस्ट में डेब्यू किया था।

ढाका में अच्छा प्रदर्शन करना हमारे लिए महत्वपूर्ण: मनप्रीत सिंह

भुवनेश्वर।

भारत की हॉकी टीम 14 दिसंबर से शुरू होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार है। टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और उपकप्तान हरमनप्रीत ने ढाका में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई है ताकि खिताब को बचाया जा सके। कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा, हम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार हैं। हम अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि ओलंपिक के बाद हमारे फिटनेस स्तर में गिरावट आई थी। लेकिन, अब हम इसे फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हर खिलाड़ी अपना शत प्रतिशत दे रहा है। कई खिलाड़ी, जो ओलंपिक टीम का हिस्सा थे, उनको इस टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया, जिसमें दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी शामिल थे। इस पर मनप्रीत ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए अगले साल व्यस्त सीजन से पहले अपनी क्षमता साबित करने का यह एक अच्छा मौका है। उन्होंने आगे कहा, इनमें से कुछ युवा खिलाड़ी अपने मौके का इंतजार कर रहे हैं और टीम में जगह पाने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इन खिलाड़ियों की क्षमता देखने के लिए यह एक अच्छा टूर्नामेंट है।

जोकोविच के दम पर सर्बिया ने डेविस कप फाइनल्स में आस्ट्रिया को हराया

इंसब्रक ।

शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच ने डेविस कप फाइनल्स में सर्बिया को जीत दिलाई जबकि 40 वर्ष के फेलिसियानो लोपेज ने गत चैम्पियन स्पेन को शानदार शुरूआत दिलाई और युवा इतालवी टीम ने 32 बार के चैम्पियन अमेरिका को हराया। जोकोविच ने डेनिस नोवाक को 6.3, 6.2 से मात देकर सर्बिया को मेजबान आस्ट्रिया पर 2.0 से बढत दिलाई। वहीं दुसान लाजोविच ने गेराल्ड मेल्जर को तीन सेटों में हराया। डेविस कप एकल मैचों में जोकोविच का विजय अभियान 15 मैचों का हो गया है। वहीं मैड्रिड में ग्रुप ए के मुकाबले में स्पेन को इक्वाडोर पर बढत मिल गई जब लोपेज ने राबर्टो किरोज को 6.3, 6.3 से मात दी। पाब्लो कारेनो बस्टा ने इसके बाद एमिलियो गोमेज को हराया। लोपेज को एकल मुकाबला इसलिए खेलना पड़ा क्योंकि कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण कार्लोस अलकाराज टीम से बाहर हो गए थे। ग्रुप ई में अमेरिका को इटली ने हराया। लोरेंजो सोनेगो ने रीली ओपेलका को 6.3, 7.6 से मात दी जबकि जानिक सिनेर ने जॉन इसनेर को 6.2, 6.0 से हराया। युगल में राजीव राम और जैक सॉक ने फेबियो फोगनिनी और लोरेंजो मुसेती को हराकर स्कोर 2.1 कर दिया।

उम्मीद हैं ओमिक्रोन के कारण भारतीय टीम का दौरा रद्द नहीं होगा : बेहार्डियेन

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व हरफनमौला फरहान बेहार्डियेन को उम्मीद है कि नए कोरोना वायरस वैरिएंट के कारण भारतीय टीम का अगले महीने का दौरा रद्द नहीं होगा क्योंकि उनके देश के युवा क्रिकेटरों को इस श्रृंखला की बहुत जरूरत है। भारतीय टीम को जोहान्सबर्ग, सेंचुरियन, पार्ल और केपटाउन में तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 मैच खेलने हैं। नए कोरोना वैरिएंट के चलते दौरा खटाई में पड़ता दिख रहा है। बीसीसीआई का कहना है कि श्रृंखला पर कोई भी फैसला सरकार की सलाह के आधार पर लिया जाएगा। बेहार्डियेन ने ट्वीट किया कि उम्मीद है कि दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट खेलने वाला देश अगले महीने हमारे देश का दौरा करेगा। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को इसकी सख्त जरूरत है। समझा जाता है कि बीसीसीआई अगले कुछ दिन में इस बारे में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से बात करेगा। कोरोना के नए वैरिएंट बी .1.1.529 से दुनिया भर में दहशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे ओमिक्रोन नाम दिया है। नए वैरिएंट का असर यहां खेलों पर पड़ता दिख रहा है। नीदरलैंड ने सेंचुरियन में वनडे श्रृंखला छोड़ दी है। वहीं यहां होने वाले एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप पर भी फिलहाल रोक लगा दी गई है।

पर्थ में अंतिम एशेज टेस्ट होने की 50 प्रतिशत संभावना

पर्थ।

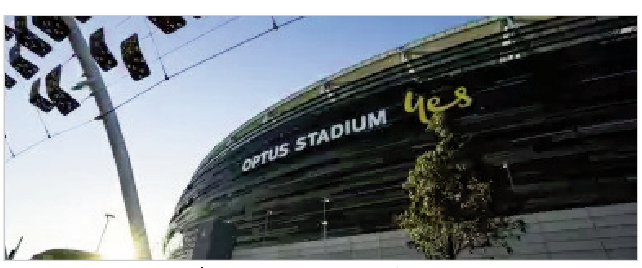

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) क्रिकेट की मुख्य कार्यकारी क्रिस्टीना मैथ्यूज ने शनिवार को कहा है कि पर्थ में 14 जनवरी से होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट की मेजबानी करने की संभावना 50 प्रतिशत है। यह डब्ल्यूए सरकार पर निर्भर करता है कि क्वोरंटीन नियमों को देखते हुए वह इस मैच के लिए कितने दिनों की छूट देते हैं। जो रूट की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम के खिलाफ अंतिम टेस्ट, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में चौथा टेस्ट पूरा होने के पांच दिन बाद शुरू होगा।लेकिन, कोविड-19 महामारी के कारण डब्ल्यूए सरकार ने अपने क्षेत्र में कड़े नियम लागू कर रखे हैं, जिससे पर्थ में अंतिम टेस्ट की मेजबानी करना मुश्किल है। क्वारंटीन नियमों में छूट मिलने पर ही यहां मैच के लिए दोनों टीमें आ सकेगी। क्रिस्टीना मैथ्यूज ने शनिवार को एबीसी रेडियो के नेशनल ग्रैंडस्टैंड कार्यक्रम में कहा, यहां क्रिकेट होने की पूरी संभावना है। मुझे लगता है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) पिछले एक हफ्ते से अंतिम टेस्ट कराने पर विचार कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, क्रिकेट कराने की तकनीकी रूप से सबसे बड़ी समस्या प्रसारण है। साथ ही प्रसारण के समय आस-पास आवश्यक लोगों की भीड़ है। जो खिलाड़ियों के लिए परेशानी हो सकती है। मैथ्यूज के अनुसार, डब्ल्यूए क्रिकेट के पास क्वारंटीन में ढील देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पर्थ के टेस्ट की मेजबानी करने में असमर्थ होने पर तस्मानिया में एशेज का आखिरी टेस्ट मैच करवाया जा सकता है। दूसरी तरफ, होबार्ट में बेलेरिव ओवल, जो दिसंबर और जनवरी में कई बिग बैश लीग (बीबीएल) और महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग मैचों की मेजबानी करेगा, टेस्ट मैच कराने के लिए उनको खाफी फेरबदल करने की आवश्यकता होगी। दूसरा विकल्प क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के पास कैनबरा है। इसके अलावा, सीए एससीजी में चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी का फैसला भी कर सकता है।

इटली और पुर्तगाल विश्व कप प्लेऑफ में एक ही ड्रा में

जिनेवा । कतर में 2022 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में या तो इटली की टीम खेलेगी या क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम। मौजूदा यूरोपीय चैम्पियन इटली और पूर्व चैम्पियन पुर्तगाल को शुक्रवार को निकाले गए प्लेआफ ड्रॉ में एक ही वर्ग में रखा गया है यानी एक का बाहर होना तय है। इटली को मार्च में प्लेऑफ सेमीफाइनल में नॉर्थ मेसेडोनिया से खेलना है ।इसके विजेता का सामना विश्व कप में जगह बनाने के लिये पुर्तगाल या तुर्की से होगा। चार बार की चैम्पियन इटली 2018 विश्व कप नहीं खेल सकी थी और 1958 के बाद पहली बार क्वालीफाई नहीं कर पाई। अब उसे लगातार दूसरी बार विश्व कप से बाहर होने से बचने के लिए 2016 यूरो चैम्पियन पुर्तगाल को हराना पड़ेगा। इटली के कोच राबर्टो मंचिनी ने कहा कि यह अच्छा ड्रॉ नहीं है और बेहतर हो सकता था। हम पुर्तगाल से खेलने से बचना चाहते थे जैसे वे हमसे खेलना नहीं चाहते होंगे। रोनाल्डो 2006 के बाद सारे विश्व कप खेले हैं और खिताब जीतने का यह उनके पास आखिरी मौका है। बारह टीमों के ड्रॉ में स्कॉटलैंड का सामना उक्रेन से होगा और विजेता टीम वेल्स या आस्ट्रिया से खेलेगी। रूस का सामना पोलैंड से होगा और फाइनल में स्वीडन या चेक गणराज्य से टक्कर होगी। छह प्लेऑफ सेमीफाइनल 24 मार्च से खेले जाएंगे। तीन फाइनल उसके पांच दिन बाद होंगे। तीन विजेता कतर में 2022 में होने वाले विश्व कप की 32 टीमों में शामिल होंगे।

कहानी

शरारती बौना

किसी गांव में एक बौना रहता था जो बड़ा शरारती था। नाम उसका था टिप्सी। वह बड़ी हंसी-खुशी में अपना जीवन बिता रहा था, परन्तु उसे अपना नाम बिल्कुल पसंद नहीं था। वह समझता था उसका नाम बड़ा पुराना और घिसा-पिटा है। नाम तो नया होना ही चाहिए। वह अपने बड़े-बूढ़ों से प्राय: पूछता रहता कि- उसका नाम नाम टिप्सी क्यों रखा गया? कोई अच्छा सा नाम क्यों नहीं रखा गया? इसका कारण उसे कोई नहीं बता सका क्योंकि इसका कोई कारण था ही नहीं। सबने उसे यही समझाया कि बौनों के नाम पुराने ढंग के होते हैं और टिप्सी अच्छा नाम है। एक दिन टिप्सी को एक और बूढ़ा बौना मिला जिसे बस बौना सरदार कहते थे। टिप्सी को यह नाम बड़ा पसंद आया। जब टिप्सी ने उस बूढ़े से भी अपना प्रश्न दोहराया तो उसने भी वही उत्तर दिया जो दूसरे देते थे। तब टिप्सी उस बूढ़े बौने से बोला, तो फिर तुम अपना नाम मेरे नाम से बदल लो। बौने सरदार को टिप्सी की बदतमीजी पर बड़ा क्रोध आया। वह बोला तुम तुरन्त यह गांव छोड़कर जंगल में चले जाओ। एक वर्ष बाद जब तुम लौटोगे, तुम्हें पता होगा कि अपने से बड़ों के साथ किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। टिप्सी को बौने सरदार की आज्ञा माननी पड़ी। टिप्सी बचपन से ही बड़ा ऊधमी था। उसने छोटे-मोटे जादू भी नहीं सीखे जो सब बौने जानते थे।

टिप्सी जंगल में मारा-मारा फिरता। रात को उसे किसी पेड़ के नीचे सोना पड़ता। जंगली फल खाकर ही उसे पेटे भरना पड़ता। एक दिन उसे बड़ी सर्दी लग रही थी और वह भूखा भी था। खाने के लिए कुछ ढूंढते हुए वह घूम रहा था। उसे एक पेड़ के नीचे तीन सूखे काजूफल पड़े मिले। भूख के मारे बेहाल टिप्सी ने जब तीन काजूफल देखे तो उसकी आंखें चमक उठीं। वह प्रसन्न था कि खाने को कुछ तो मिला। उसने गांव में बड़े-बूढ़ों को सूखे काजूफल के कड़े छिलके तोड़कर उसमें से गिरी निकालते देखा था। उसने एक काजूफल को लेकर उसे ठोका और फिर दबाया ताकि उसकी गिरी बाहर निकाल सके, परन्तु छिलका अलग नहीं हुआ। उसने फिर छिलके को जोर लगा कर ठोका, परन्तु बेकार। भूख के मारे उसकी जान निकली जा रही थी। उसने कस कर एक मुक्का उस पर मारा तो छिलका अलग नहीं हुआ। उसने बारी-बारी तीनों काजूफल के छिलके हटाने चाहे, परन्तु एक भी नहीं हटा। जब टिप्सी हाथ से काजूफाल के छिलके नहीं उतार सका तो वह उस पर पैर रख कूदा वह भी व्यर्थ रहा तब उसने बांस की छड़ी फंसा कर छिलका उतारना चाहा, परन्तु विफल रहा।

टिप्सी भूखा तो पहले ही था, अब बुरी तरह थक भी चुका था। काजूफल का छिलका तक न उतार पाने के कारण उसे अपने आप पर क्रोध आ रहा था। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और रोने लग। इसी बीच एक टिड्डा वहां से गुजरा। जब उसने टिप्सी को रोते हुए देखा तो इसका कारण पूछने लगा। टिप्सी रोते-रोते बोला- मुझे बिरादरी से निकाल दिया गया है। यहां न सोने का ठिकाना है, न कुछ खाने को मिलता है। ये तीन काजूफल हैं। इन्हें मैं तौड़ नहीं सकता।

टिड्डे ने क्षमा मांगी कि वह इस में टिप्सी की कोई सहायता नहीं कर सकता और अपने रास्ते हो लिया। पास ही खड़ी एक गिलहरी ने भी टिप्सी की बात सुनी।

गिलहरी को दु:खी टिप्सी पर दया आ गई। वह उसके पास आई और काजूफल के छिलके उतारने में उसकी सहायता करने का प्रस्ताव किया। गिलहरी की बात सुनकर टिप्सी का चेहरा खुशी से खिल उठा। उसने उसे यह कृपा करने की प्रार्थना की। गिलहरी ने तुरन्त अपने दांतों से कुतर-कुतर कर काजूफल के छिलके उतार दिए और गिरी निकाल कर टिप्सी को खाने के लिए दी। गिलहरी ने वृक्ष पर चढ़ कर ताजा काजूफल की गिरियां भी निकाल कर उसे पेट भर कर खिलाई। तब गिलहरी ने उसे वृक्ष पर बने अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया।

टिप्सी ने गिलहरी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया तथा पेड़ पर गिलहरी के मकान में बड़े मजे से रहने लगा। गिलहरी के घर में रहते-रहते, टिप्सी ने कई बातें सीखीं। उसने समझ लिया कि विनम्रता बहुत बड़ा गुण है। सभी से आदर से बात करनी चाहिए। तथा सबकी यथासंभव सहायता करनी चाहिए। जैसे कि गिलहरी ने उसकी की थी।

गिलहरी ने उसे वृक्षों की भाषा भी सिखाई और पशु-पक्षियों की बोलियां भी। उसने टिप्सी को कई छोटे-मोटे जादू भी सिखाए जो उसने स्वयं वर्षों पूर्व सीखे थे, जब वह बौनों के बीच रहती थी।

जब टिप्सी को जंगल में रहते एक वर्ष पूरा हो गया तो वह बिलकुल बदल चुका था। उस एक वर्ष में उसमें बड़ी समझदारी आ चुकी थी। वह इतना विनम्र तथा शिष्ट हो चुका था कि गांव के दूसरे बौने उसे एक बुद्धिमान बौना मान कर उसका सम्मान करने लगे।

अब वह शरारती टिप्सी नहीं रहा था।

क्या आप जानते हैं

अपने जाल में क्यों नहीं फँसती मकड़ी ?

मकड़ी के पेट से विशेष प्रकार की ग्रंथियों से निकलने वाले द्रव से जाला बनता है। मकड़ी के शरीर के पिछले हिस्से में स्पिनेरेट नाम का अंग होता है जिसकी मदद से इस द्रव को पेट से बाहर निकालती है। हवा के संपर्क में आने पर पेट से बाहर निकाला जाने वाला द्रव सूखकर तंतु जैसा बन जाता है। इस तरह के तंतुओं से ही मकड़ी का जाला बनता है। मकड़ी के जाले में दो तरह के तंतु होते हैं। एक- सूखा जिससे जाले की फ्रेम बनती है। दूसरा- जिनसे बीच की रेखाएँ बनती हैं उसे स्पोस कहते हैं। स्पोस चिपचिपा होता है। जाले में चिपचिपे तंतुओं में ही चिपककर शिकार फँस जाता है और छूट नहीं पाता है। जब शिकार फँस जाता है तो मकड़ी सूखे धागों पर चलती हुई शिकार तक पहुँचती है और इसलिए वह जाले में नहीं उलझती। वैसे मकड़ी के शरीर पर तेल की एक विशेष परत भी चढ़ी होती है जिससे उसके जाले में फँसने का सवाल ही नहीं उठता।

पहेलियाँ ही पहेलियाँ

तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी,
न भाड़ा न किराया दूँगी,
घर के हर कमरे में रहूँगी,
पकड़ न मुझको तुम पाओगे,
मेरे बिन तुम न रह पाओगे,
बताओ मैं कौन हूँ?

गर्मी में तुम मुझको खाते,
मुझको पीना हरदम चाहते,
मुझसे प्यार बहुत करते हो,
पर भाप बनूँ तो डरते भी हो।

मुझमें भार सदा ही रहता,
जगह घेरना मुझको आता,
हर वस्तु से गहरा रिश्ता,
हर जगह मैं पाया जाता।

ऊपर से नीचे बहता हूँ,
हर बर्तन को अपनाता हूँ,
देखो मुझको गिरा न देना
वरना कठिन हो जाएगा भरना।

लोहा खींचू ऐसी ताकत है,
पर रबड़ मुझे हराता है,
खोई सूई मैं पा लेता हूँ,
मेरा खेल निराला है।

उत्तर : १.हवा २.पानी ३.गैस ४.द्रव्य ५. चुंबक

चमत्कारी होते हैं पिरामिड

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरों गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र गहनें, बर्तन वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था।

भारत की तरह ही मिस्र की संभ्यता भी बहुत पुरानी है और प्राचीन सभ्यता के अवशेष वहां की गौरव गाथा कहते हैं। यों तो मिस्र 138 पिरामिड हैं और काहिरा के उपनगर गीजा में तीन लेकिन सामान्य विश्वास के विपरीत सिर्फ गिजा का ग्रेट पिरामिड ही प्राचीन विश्व के सात अजूबों की सूची में है। दुनिया के सात प्राचीन आश्चर्यों में शेष यही एकमात्र ऐसा स्मारक है जिसे काल प्रवाह भी खत्म नहीं कर सका। यह पिरामिड 450 फुट ऊंचा है कि जोड़ों में एक ब्लेड भी नहीं घुसायी जा सकती। मिस्र के पिरामिडों के निर्माण में कई खगोलीय आधार भी पाये गये हैं, जैसे कि तीनों पिरामिड आरियन राशि के तीन तारों की सीध में हैं। वर्षों से वैज्ञानिक इन पिरामिडों का रहस्य जानने के प्रयत्नों में लगे हैं किन्तु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

कुछ लोग पिरामिडों में स्थित जादुई असर की बात भी कहते हैं तो है। 43 सदियों तक यह दुनिया की सबसे ऊंची संरचना रहा। 19वीं सदी में ही इसकी ऊंचाई की कीर्तिमान टूटा। इसका आधार 13 एकड़ में फैला है जो करीब 16 फुटबॉल मैदानों जितना है। यह 25 लाख चूनात्थरों के खंडों से निर्मित है जिनमें से हर एक का वजन 2 से 30 टनों के बीच है। ग्रेट पिरामिड को इतनी परिशुद्धता से बनाया गया है कि वर्तमान तकनीक ऐसी कृति को दोहरा नहीं सकती है। कुछ साल पहले तक वैज्ञानिक इसकी सूक्ष्म सममिति का पता नहीं लगा पाये थे, प्रतिरूप बनाने की तो बात ही दूरा प्रमाण बताते हैं कि इसका निर्माण करीब 2560 वर्ष ईसा पूर्व मिस्र के शासक खुफु के चौथे वंश द्वारा अपनी कब्र के तौर पर कराया गया था। इसे बनाने में करीब 23 साल लगे।

मिस्र के इस महान पिरामिड को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि बिना मशीनों के बिना आधनिक औजारों के मिस्रवासियों ने कैसे विशाल पाषाणखंडों को 450 फीट ऊंचे पहुंचाया और इस बृहत परियोजना को महज 23 वर्षों में पूरा किया? पिरामिड मर्मज इवान हैडिंगटन ने गणना कर हिसाब लगाया कि यदि ऐसा हुआ तो इसके लिए दर्जनों श्रमिकों को साल के 365 दिनों में हर दिन 10 घंटे के काम के दौरान हर दूसरे मिनट में एक प्रस्तर खंड को रखना होगा। क्या ऐसा संभव था? विशाल श्रमशक्ति के अलावा क्या प्राचीन मिस्रवासियों को सूक्ष्म गणितीय और खगोलीय ज्ञान रहा होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक पिरामिड के बाहर पाषाण खंडों को इतनी कुशलता से तराशा और फिट किया गया।

रोचक तथ्य

- *ग्रेट पिरामिड एक पाषाण-कम्प्यूटर जैसा है। यदि इसके किनारों की लंबाई,ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो पृथ्वी से संबंधित भिन्न-भिन्न चीजों की सटीक गणना की जा सकती है।*
- *ग्रेट पिरामिड में पत्थरों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है कि इसके भीतर का तापमान हमेशा स्थिर और पृथ्वी के औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के बराबर रहता है। यदि इसके पत्थरों को 30 सेंटीमीटर मोटे टुकड़ों में काट दिया जाए तो इनसे फ्रांस के चारों ओर एक मीटर ऊंची दीवार बन सकती है।*
- *पिरामिड में नींव के चारों कोने के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गये हैं ताकि ऊष्मा से होने वाले प्रसार और भूंकप से सुरक्षित रहे।*
- *मिस्रवासी पिरामिड का इस्तेमाल वेद्यशाला, कैलेंडर, सनडायल और सूर्य की प्रिक्रमा में पृथ्वी की गति था प्रकाश के वेग को जानने के लिए करते थे।*
- *पिरामिड को गणित की जन्मकुंडली भी कहा जाता है जिससे भविष्य की गणना की जा सकती है।*

कहानी

बूढ़ा जादूगर

किसी गांव के बाहर बनी झोंपड़ी में एक बूढ़ा आदमी रहता था। वह थोड़ा-बहुत जादू भी जानता था। गांव से बाहर रहने का कारण यह था कि उसे भीड़-भाड़ से घबराहट होती थी। अपना गुजारा चलाने के लिए वह आस-पास की जमीन पर गेहूं तथा सब्जियां उगा लेता था। उसने कुछ मुर्गियां भी पाल रखी थीं और एक बकरी उसके पास थी जिसका दूध उसके लिए काफी होता था। एक बार ऐसा हुआ कि बरसात के मौसम में वर्षा बिल्कुल ना हुई। वर्षा न होने के कारण गांव वाले बड़े चिंतित हुए क्योंकि पानी का और कोई प्रबंधन न होने से उनकी फस्लें सूख जाने का भय था। परन्तु बूढ़े को इसकी कोई चिंता ना थी। उसके खेत के पास से एक पहाड़ी नाला बहता था जिसका पानी उस की फसलों के लिए काफी था। उसे वर्षा के पानी पर निर्भर रहने की कोई आवश्यकता नहीं थी।

जब गांव वालों ने देखा कि वर्षा होने की संभावना नहीं तो उन्होंने बूढ़े जादूगर के पास जाने का फैसला किया। वे जानते थे कि अपनी युवावस्था में वह किसी जादूगर के सहायक के रूप में काम कर चुका था। उन्हें आशा थी कि वह वर्षा लाने वाला नृत्य जानता होगा। अत: वे उसके पास गए तथा उससे पूछा कि क्या वह वर्षा-नृत्य जानता है।

वर्षा-नृत्य मैंने अपनी जवानी में सीखा तो था बूढ़े जादूगर ने उत्तर दिया।

क्या तुम वर्षा लाकर हमारी सहायता करोगे? तुम्हें पता ही है कि अभी तक वर्षा नहीं हुई और जल्दी ही वर्षा होने की कोई आशा प्रतीत नहीं होती। यदि जल्दी ही पानी नहीं मिला तो हमारी फस्लें सूख कर बर्बाद हो जाएंगी। हम सब भूखों मर जाएंगे। गांव वालों ने बड़ी आशा केसाथ बूढ़े जादूगर से प्रार्थना की। बूढ़ा आदमी खुश था कि गांव वालों ने उसे बहुत महत्व दिया था। वह वर्षा लाने के लिए नृत्य करने पहाड़ी पर गया। वर्षा-नृत्य करना कोई आसान काम नहीं था।

परन्तु बूढ़े जादूगर ने गांव वालों की भलाई के लिए उसे करने का दृढ़ निश्चय कर लिया। पहाड़ी की चोटी पर चढ़ बूढ़ा जादूगर नाचने लगा तथा ऊंचे-ऊंचे मंत्र पढ़ने लगा, ऐ वर्षा तथा बादलों के देवता मैं तुम्हारा आव्हान करता हूं। सुनो.. बिजली चमकाओं, बिजली कड़काओं बादल भेजो वर्षा करों वर्षा करों। इस मंत्र को याद करके पढ़ना बूढ़े जादूगर के लिए बड़ा कठिन सिद्ध हो रहा था। उसे पढ़े हुए बूढ़े को वर्षों बीत चुके थे तथा उसके शब्दों उच्चारण ठीक कम से करने से ही वर्षा हो सकती थी। और फिर उसे बहुत ऊंचे स्वर में पढ़ना था। तेजी के साथ नृत्य भी करना था। वह बार-बार उस मंत्र को पढ़ता रहा तथा नाचता रहा। कुछ देर के बाद वर्षा होने लगी। बूढ़ा निढाल- सा वापस लौटा। गांव वालों ने बूढ़े को धन्यवाद दिया। चौबीस घंटे तक जमकर वर्षा होती रही। जब वर्षा थमी तो खेतों में खड़ी फसलों को भरपूर पानी मिल चुका था। हर कोई बड़ा प्रसन्न था।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मेक्सिको में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 19 की मौत; 32 घायल

मैक्सिको सिटी। मध्य मेक्सिको में एक धार्मिक स्थल पर तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त होने से 19 लोगों की मौत हो गयी और 32 अन्य घायल हो गए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि ऐसा लगता है कि शुक्रवार को बस चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और बस स्टेट ऑफ मेक्सिको में एक इमारत से टकरायी। बस पश्चिमी मिचोआकन से चलमा की ओर जा रही थी। रोमन कैथोलिक तीर्थयात्री सदियों से इस शहर में जाते रहे हैं। घायल यात्रियों की हालत के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है।

ब्राजील के कई नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश निलंबित करेगा मेक्सिको

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको ने कहा है कि वह प्रवासियों की तस्करी को रोकने के लिए 17 साल पुराने उस कार्यक्रम को निलंबित कर देगा, जिसमें ब्राजील के नागरिकों को बिना वीजा के प्रवेश करने की अनुमति दी गई है। मेक्सिको के विदेश मामलों के विभाग ने शुक्रवार को कहा कि यह कदम अमेरिका पहुंचने के इरादे से मेक्सिको जाने वाले ब्राजीलियाई प्रवासियों की बढ़ती संख्या के बाद उठाया गया है। विभाग ने एक बयान में कहा, ''यह निर्णय अनियमित (प्रवासियों के) प्रवाह में वृद्धि और उस दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य के कारण लिया गया था कि आपराधिक समूह अमेरिका में अनियमित रूप से प्रवास करने में ब्राजील के नागरिकों को धोखा देकर पैसा कमाते हैं।'' यह 11 दिसंबर से लागू होगा, लेकिन उन ब्राजीलियाई लोगों को प्रभावित नहीं करेगा जिनके पास पहले से ही अमेरिका, यूरोप, जापान और कनाडा के लिए वैध यात्रा वीजा है। मुख्य रूप से मध्य अमेरिका, हैती और क्यूबा से प्रवासी अमेरिकी सीमा तक पहुंचने के लिए अक्सर मेक्सिको को पार करते हैं। मेक्सिको इस प्रवाह को बड़े पैमाने पर कम करने में अमेरिकी सरकार की सहायता कर रहा है।

सत्ता में आने पर कालापानी, लिंपियाधुरा, लिपुलेख को वार्ता के जरिये भारत से वापस ले लेंगे: ओली

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के पी शर्मा ओली ने शुक्रवार को वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह भारत से कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्रों को बातचीत के जरिए ''वापस ले लेंगे।'' लिपुलेख दर्रा कालापानी के पास एक सुदूर पश्चिमी बिंदु है, जो नेपाल और भारत के बीच एक विवादित सीमा क्षेत्र है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपने क्षेत्र के अभिन्न अंग के रूप में दावा करते हैं। भारत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्से के रूप में और नेपाल धारचूला जिले के हिस्से के रूप में इस पर दावा करता है। काठमांडू से 160 किलोमीटर दक्षिण में चितवन में नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 10वें आम सम्मेलन का

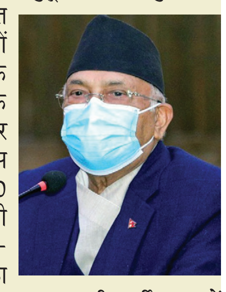

उद्घाटन करते हुए ओली ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में वापस आती है तो वह ''भारत से बातचीत के माध्यम से लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख जैसे विवादित क्षेत्रों को वापस ले लेगी।'' उन्होंने कहा, ''हम बातचीत के जरिए समस्याओं के समाधान के पक्ष में हैं, न कि पड़ोसियों से दुश्मनी करके।'' ओली ने विश्वास जताया कि सीपीएन-यूएमएल अगले साल होने वाले आम चुनाव में सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगा। भारत द्वारा उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे को धारचूला से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क आठ मई, 2020 को खोले जाने के बाद द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया था कि यह उसके क्षेत्र से होकर गुजरती है। कुछ दिनों बाद, नेपाल लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्रों के रूप में दिखाते हुए एक नया नक्शा लेकर आया। भारत ने इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अपने संबोधन में, ओली ने कहा कि उनकी पार्टी ''नेपाल की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

ऑस्ट्रेलिया का विवादास्पद रिलीजियस डिस्क्रिमिनेशन बिल क्या है? इसे लाने की क्यों पड़ी जरूरत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने संसद के निचले सदन में 'रिलीजियस डिस्क्रिमिनेशन बिल' पेश किया। कुछ वर्षों से इस पर काम चल रहा था। बिल अपने वर्तमान स्वरूप में तीसरा और अंतिम मसौदा है, जिसका उद्देश्य धार्मिक विश्वास या गतिविधियों के आधार पर भेदभाव को समाप्त करना है। रिलीजियस डिस्क्रिमिनेशन बिल और संबंधित कानून-जिसमें धार्मिक भेदभाव (परिणामी संशोधन) विधेयक 2021 और मानवाधिकार विधान संशोधन विधेयक 2021 शामिल हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि ऑस्ट्रेलियाई धार्मिक विश्वास या गतिविधि के आधार पर भेदभाव न हो। ऑस्ट्रेलिया में चुनाव से कुछ महीने पहले ही इस तरह के बिल को पेश करने के पीछे मॉरिसन सरकार द्वारा धार्मिक आधार पर वोटरों को साधने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

क्या कहता है विधेयक

धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक का वादा पिछले संघीय चुनाव में किया गया था, लेकिन अब जबकि मॉरिसन सरकार का कार्यकाल समाप्त होने में कुछ ही महीने बाकी हैं तो सरकार संसद में अपना धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक लेकर आई है। कार्य, शिक्षा, परिसर तक पहुंच और सामान, सेवाओं और आवास के प्रावधान सहित अन्य क्षेत्रों में धार्मिक विश्वास या गतिविधि के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ किसी तरह का भेदभाव न हो इसके लिए इस तरह का बिल लाया गया है।

क्यों हो रही आलोचना

बिल के कुछ आलोचक इसे कानून के एक टुकड़े के रूप में देखते हैं जो नफरत को वैध बना रहा है। जबकि कुछ अन्य सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और सबूत मांग रहे हैं कि देश में लोगों के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव किया जाता है। ट्विटर पर एक यूजर ने कहा कि अगर यह बिल वास्तव में धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में होता, तो इसे धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक कहा जाता.. लेकिन ऐसा नहीं है। यह धार्मिक भेदभाव

व्लादिमीर पुतिन ने वार्ता के लिए आर्मेनिया, अजरबैजान के नेताओं की मेजबानी की

कैनबैरा(एजेंसी)।

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को नागोर्नो-कराबाख के अलगाववादी क्षेत्र में लड़ाई समाप्त करने वाले मॉस्को की मध्यस्थता वाले शांति समझौते की पहली वर्षगांठ के अवसर पर बातचीत के लिए क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों आर्मेनिया और अजरबैजान के नेताओं की मेजबानी की। दक्षिणी शहर सोची में, पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति ने अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान से एक साथ मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह पशिनयान के साथ एक अलग द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

बैठक की शुरुआत करते हुए, पुतिन ने कहा कि पिछले एक साल में बहुत कुछ किया गया है, लेकिन ''सभी मुद्दों का समाधान अभी तक नहीं हुआ है।'' उन्होंने दोनों देशों के बीच सीमा पर बार-बार होने वाली झड़पों की ओर इशारा किया, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए हैं। पुतिन ने कहा, ''एक वर्ष के संघर्ष विराम का लक्ष्य, ''क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए परिस्थितियों का निर्माण करना है, ताकि लोग वहां सुरक्षित महसूस कर सकें और सामान्य आर्थिक गतिविधियों को करने में सक्षम हो सकें ... अर्थव्यवस्था का विकास हो सकें।'' आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो-कराबाख पर दशकों पुराना विवाद है।

अजरबैजान की सेना ने 2020 में 44 दिनों की भयंकर लड़ाई में आर्मेनियाई सेना को हराया था, जो रूस की मध्यस्थता के बीच शांति समझौते के साथ समाप्त हुआ। शांति समझौते की निगरानी के लिए रूस ने कम से कम पांच साल के लिए लगभग 2,000 शांति सैनिकों को तैनात किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि दक्षिणी शहर सोची में पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि आर्मेनिया, अजरबैजान और रूस ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हुए एक साल में ''बहुत कुछ हासिल किया।''

उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर कोई लड़ाई नहीं हुई है, लगभग 53,000 शरणार्थी अपने घरों को लौट गए हैं और रूसी शांति रक्षक नागोर्नो-कराबाख निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। अपने उद्घाटन भाषण में, अलीयेव और पशिनयान ने कहा कि वे सीमा के परिसीमन और सीमांकन पर काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, पशिनयान ने कहा कि सीमा पर और नागोर्नो-कराबाख में स्थिति ''उतनी स्थिर नहीं है जितनी होनी चाहिए।''

उन्होंने कहा कि ''दोनों पक्षों के दर्जनों लोग'' पिछले एक साल में संघर्ष में मारे गए। उन्होंने सीमा पर स्थिति को ''संकटपूर्ण'' बताया। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध के कैदियों, बंधकों और बंदी बनाए गए अन्य व्यक्तियों का मुद्दा नहीं सुलझा है।

मुंबई हमले के दोषियों को सजा देने में काफी देरी हो गयी है, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने 26/11 हमलों की 13वीं बरसी पर मुंबई वासियों की सहनशीलता की तारीफ करते हुए पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 2008 में किए गए नरसंहार के दोषियों को जल्द सजा देने की जरूरत पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे और उन्होंने कई स्थानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें 18 सुरक्षा कर्मियों समेत 166 लोगों की मौत हो गयी थी। हमलों में मारे गए लोगों में छह अमेरिकी भी शामिल थे। ब्लिंकन ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ''मुंबई में 26/11 आतंकवादी हमले को हुए 13 साल बीत गए हैं।

आज बरसी पर हम छह अमेरिकियों समेत सभी मृतकों को और मुंबई वासियों की सहनशीलता को याद करते हैं। अपराधियों को सजा दिए जाने का लंबे समय से इंतजार है।'' अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका और भारत एकजुट हैं। उन्होंने कहा, ''मुंबई की हाल की मेरी यात्रा में मैं भयानक आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए ताज महल पैलेस होटल में 26/11 स्मारक पर गई थी।''

सांसद एलिसे स्टेफनिक ने कहा, ''मुंबई में आतंकवादी हमले की 13वीं बरसी पर आज हम इसमें जान गंवाने वाले लोगों को याद करते हैं। इस अन्याय को भुलाया नहीं जा सकता।'' वहीं, यहां भारतीय दूतावास ने 26/11 हमलों की बरसी पर अपने परिसरों में एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें कई नेता शामिल हुए।

कोरोना वायरस का नया चिंताजनक स्वरूप सामने आने के बीच डब्ल्यूटीओ ने प्रमुख बैठक टाली

जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने मंगलवार को होने वाले सरकारी मंत्रियों के अपने सम्मेलन को टाल दिया है। कोरोना वायरस के नये चिंताजनक स्वरूप के सामने आने के बाद स्विट्जरलैंड द्वारा नये यात्रा प्रतिबंध लागू किए जाने के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। जिनेवा में संगठन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिनेवा स्थित डब्ल्यूटीओ मुख्यालय में होने वाले एमसी12 सम्मेलन में मत्स्य पालन के लिए सब्सिडी पर एक लंबे समय से प्रतीक्षित समझौता और कोविड-19 टीकों से जुड़े पेटेंट और अन्य बौद्धिक संपदा संरक्षण नियमों में छूट देने के प्रयास जैसे प्रमुख मुद्दों पर बातचीत होनी थी।

मत्स्य पालन के लिए सब्सिडी संबंधी समझौते को दुनिया भर के समुद्रों में ज्यादा मछलियां पकड़ने से रोकने के एक प्रमुख तरीके के रूप में देखा जा रहा है, अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर शुक्रवार को बताया कि डब्ल्यूटीओ के 164 सदस्य राष्ट्रों के राजदूत नये स्विस यात्रा प्रतिबंधों के बाद चार दिवसीय सम्मेलन को टालने पर सहमत हो गए हैं क्योंकि इन प्रतिबंधों के कारण सभी प्रतिभागी भौतिक रूप से सम्मेलन में शामिल नहीं हो पाते और ऑनलाइन बैठक को अच्छा विकल्प नहीं माना जा रहा है। स्विस स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि दक्षिणी अफ्रीका से सभी सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, और बेल्जियम, हांगकांग और इजराइल जैसे अन्य स्थानों से आने वाले सभी लोगों को आगमन पर कोविड-19 की नेगेटिव रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी और 10 दिन के लिए पृथक-वास में रहना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाए गए चिंताजनक नए स्वरूप को अत्यधिक संक्रामक स्वरूप के तौर पर वर्गीकृत किया है और इसे ओमिक्रोन स्वरूप नाम दिया है।

6 दिसंबर को भारत आ रहे मोदी के दोस्त पुतिन, भारत-रूस के बीच पहली बार होगी 2+2 वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रूस और भारत में करीबी का एक समृद्ध इतिहास रहा है। पिछले 10 सालों में वैश्विक स्तर पर कई चीजें उलट-पुलट हुई हैं। रूस की पाकिस्तान के साथ नजदीकियां भी कुछ हद कर बढ़ी। लेकिन अब भारत रूस संबंधों के नए द्वार एक बार फिर खुलने की दिशा में कदम बढ़ने वाले हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 6 दिसंबर को भारत आने वाले हैं। 6 दिसंबर को पुतिन और पीएम मोदी की मुलाकात होगी। 6 दिसंबर को भारत और रूस का 2+2 डॉयलाग होगा। अमेरिकी से दोस्ती के बीच पुतिन का भारत दौरान कई मायनों में बेहद अहम हो जाता है। इसे ही भारत की विदेश नीति की खासियत कहा जा सकता है। हमारा अमेरिका के साथ भी उतना ही मजबूत संबंध है जितना रूस के साथ है। कोरोना काल में ब्लादिमीर पुतिन आखिरी बार रूस से बाहर निकलने थे वो बाइडेन से मिलने के लिए। कई महीनों के बाद वो अब रूस से बाहर निकल रहे हैं तो प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के लिए। ये बताने के लिए काफी है कि पुतिन के नजर में भी भारत और रूस के संबंधों की कितनी अहमियत है। रूस के साथ टू प्लस टू ये पहला मौका होगा 2018 के बाद कि पुतिन भारत आएंगे। कोविड महामारी के दौरान भारत की मदद की गई थी, उसी समय ये तय किया गया था कि रूस के राष्ट्रपति भारत आएंगे। कहां ये जा रहा था कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की बैठक के बाद जब वो आएंगे उसके बाद रूस के साथ टू प्लस टू होगा। भारत के विदेश व रक्षा मंत्री व रूस के विदेश व रक्षा मंत्री के बीच जब ये बातचीत होगी तो बहुत सारे ऐसे समझौते हैं चाहे वो एस-400, एके 203 व अन्य रक्षा सौदे पर मुहर लग सकती है।

दक्षिण अफ्रीका में फंसे कई देशों के यात्री, कोरोना के नये वेरिएंट के कारण कई देशों ने उड़ानें की रद्द

जोहानिस्बर्ग। (एजेंसी)।

पारिवारिक और व्यावसायिक यात्राओं पर दक्षिण अफ्रीका आए सैंकड़ों विदेशी नागरिक फंस गए हैं क्योंकि देश में कोविड-19 के नए स्वरूप 'ओमिक्रोन' के सामने आने के बाद कई देशों ने यात्रा प्रतिबंध लागू कर दिये हैं। ब्रिटेन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका और पांच पड़ोसी देशों से आने-जाने वाली सभी उड़ानें शुक्रवार दोपहर से प्रतिबंधित रहेंगी। देश ने वायरस के नए स्वरूप के सामने आने के बाद यह घोषणा की। कई अन्य देशों ने भी इस तरह के कदम उठाए और यह संकेत दिया कि सिर्फ उनके अपने नागरिक ही वापस लौट पाएंगे और वे भी पृथकवास में रहेंगे।

नयी दिल्ली में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से दक्षिण अफ्रीका से सीधे या दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना से होकर आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कड़ाई से जांच के आदेश दिए हैं। शुक्रवार को सरकार के आदेश के अनुसार विमानन कंपनियां भारत और दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना के बीच 15 दिसंबर से 50 फीसदी क्षमता के साथ परिचालन कर सकती हैं। भारत का दक्षिण

अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना के बीच 'एयर बबल' यात्रा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, जिसके तहत विशेष यात्री विमानों का परिचालन किया जाता है। वहीं इन तीनों देशों को भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'खतरे' वाले श्रेणी में रखा है। ब्रिटेन के पर्यटक नए प्रतिबंध की वजह से विशेष प्रभावित हुए हैं क्योंकि वहां से बड़ी संख्या में लोग पर्यटन या पारिवारिक संबंधों के लिहाज से दक्षिण अफ्रीका आते हैं।

जोआना जॉनसन ने नम आंखों से कहा, ''मुझे क्रिसमस के मौके पर अपने परिवार के साथ रहने के लिए घर जाना है लेकिन ऐसा लगता है कि मैं अब अपने दोस्तों के साथ फंस गई हूं।'' वहीं, हवाई अड्डे पर भारतीय मूल के एक व्यक्ति अब्दुल पटेल ने कहा कि वह सोमवार को दुबई के रास्ते मुंबई लौटने वाले थे लेकिन अब वह उपलब्ध किसी उड़ान में टिकट चाहते हैं। एक एयरलाइन के कर्मचारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि सप्ताहांत में दबाव और भी बढ़ने वाला है क्योंकि कई और देशों ने उड़ानें रद्द कर दी हैं।

कोरोना वायरस के नए स्वरूप की खोज कैसे हुई, अब तक उपलब्ध जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

(वोल्फगैंग प्रीजर, स्टेलनबोश यूनिवर्सिटी, कैथरीन शीपर्स, यूनिवर्सिटी ऑफ द विटवाटरसैंड, जिनाल भीमन, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज, मारिएटजी वेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया) केपटाउन। (द कन्वरसेशन) कोविड-19 महामारी की शुरुआत से ही दक्षिण अफ्रीका में नमूनों के अनुक्रमण की निगरानी करने वाला एक नेटवर्क वायरस में आए बदलाव पर पैनी नजर बनाए हुए है। यह नेटवर्क बेहतर तरीके से समझने के लिए एक मूल्यवान उपकरण है कि वायरस कैसे फैलता है। वर्ष 2020 के अंत में नेटवर्क ने एक नए वायरस वंश 501वाई.वी2 का पता लगाया, जिसे बाद में बीटा स्वरूप के रूप में जाना जाने लगा। अब एक और नए स्वरूप की पहचान की गई है, जिसे बी.1.1.1.529 के नाम से जाना जाता है।

इस विषय पर अधिक जानने के लिए 'द कन्वरसेशन' अफ्रीका के ओजैर पटेल ने वैज्ञानिकों से कुछ जानकारी हासिल की जिसे उन्होंने साझा किया है। खोज के पीछे का विज्ञान क्या है? विभिन्न प्रकार के स्वरूप के लिए एक ठोस प्रयास करने की आवश्यकता होती है। कोरोना वायरस के लिए अप्रैल 2020 की शुरुआत में राष्ट्रव्यापी जीनोमिक निगरानी प्रयासों को लागू करने वाले दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन पहले बड़े देश थे। स्वरूप की खोज का काम उन नमूनों के पूरे जीनोम अनुक्रमण के माध्यम से किया जाता है जिसमें संक्रमण की पुष्टि होती है। इस प्रक्रिया में अंतर के लिए प्राप्त प्रत्येक अनुक्रम की जांच करना शामिल है, जो दक्षिण अफ्रीका और दुनिया में प्रसारित हो रहा है। कई अंतर दिखने पर सतर्कता शुरू हो जाती है और उसकी पुष्टि करने के लिए आगे की जांच करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका इसके लिए अच्छी तरह से तैयार है। 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रयोगशाला सेवा' से काफी मदद मिलती है। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका में कई प्रयोगशालाएं हैं जो वास्तविक वायरस का विकास और अध्ययन कर सकती हैं और पता लगा सकती हैं कि टीकाकरण या पिछले संक्रमण से निपटने में तैयार एंटीबॉडी नए वायरस को बेअसर करने में कितनी सक्षम हैं। यह डेटा नए वायरस को चिह्नित करने में सहायता देता है। इस साल डेल्टा नामक एक और स्वरूप दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया के अधिकतर हिस्सों में फैल गया, जहां उसने तीसरी महामारी की लहर पैदा की। हाल में, 'नेटवर्क फॉर जीनोमिक्स सर्विलांस' की प्रयोगशालाओं द्वारा नियमित अनुक्रमण ने दक्षिण अफ्रीका में वायरस के एक नए वंश बी.1.1.529 का पता लगाया। गौतेंग प्रांत में नवंबर 2021 के मध्य में एकत्र किए गए सत्तर नमूनों में यह वायरस था। पड़ोसी देश बोत्सवाना और हांगकांग से भी इसके कुछ मामलों की सूचना मिली है। हांगकांग का मामला दक्षिण अफ्रीका से आए एक यात्री का है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को बी.1.1.529 को चिंताजनक स्वरूप के रूप में वर्गीकृत किया और इसे ग्रीक-अक्षर प्रणाली के तहत 'ओमीक्रॉन' नाम दिया। दक्षिण अफ्रीका में चिंताजनक स्वरूप क्यों आया है? हम निश्चित रूप से इस बारे में नहीं जानते हैं। यह निश्चित रूप से संक्रामक वायरस की निगरानी के लिए ठोस प्रयासों के परिणाम से कहीं अधिक प्रतीत होता है। एक सिद्धांत यह है कि अत्यधिक संवेदनशील प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग, और जो लंबे समय तक संक्रमण का अनुभव करते हैं, वे नए स्वरूप का स्रोत हो सकते हैं। यह संस्करण चिंताजनक क्यों है? संक्षिप्त उत्तर है, हम नहीं जानते। लंबा उत्तर है- बी.1.1.1.529 में कई परिवर्तन हुए हैं जो चिंता का कारण है। उन्हें इस अनुक्रमण में पहले नहीं देखा गया है और अकेले स्पाइक प्रोटीन में 30 से अधिक उत्परिवर्तन होते हैं।

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्पाइक प्रोटीन ही अधिकांश टीकों का निर्माण करता है। हम यह भी कह सकते हैं कि बी.1.1.1.529 की आनुवंशिक प्रोफाइल रुचि और चिंताजनक अन्य स्वरूपों से बहुत अलग है। यह स्वरूप ''डेल्टा की बेटी'' या ''बीटा का पोता'' नहीं लगता है, बल्कि कोरोना वायरस के एक नए वंश का प्रतिनिधित्व करता है। इसके कुछ आनुवंशिक परिवर्तन अन्य स्वरूपों से ज्ञात हैं और हम जानते हैं कि वे संचरण क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं या प्रतिरक्षा क्षमता को भेद सकते हैं, लेकिन कई नए सवाल हैं और अभी तक अध्ययन नहीं किया गया है। ज्ञात हो कि गौतेंग में बी.1.1.529 संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं, जहां देश की चौथी महामारी की लहर शुरू होती दिख रही है। ऐसा लगता है कि यह बहुत तेजी से फैल रहा है। वैसे, हम वास्तव में अभी यह नहीं बता सकते हैं कि बी.1.1.529 पहले से प्रचलित संस्करण चिंताजनक स्वरूप डेल्टा की तुलना में ज्यादा आसानी से प्रसारित होता है या नहीं। कोविड-19 के बुजुर्गों और लंबे समय से बीमार व्यक्तियों में गंभीर, अक्सर जानलेवा बीमारी के रूप में प्रकट होने की संभावना है।

लेकिन, जनसंख्या समूह अक्सर जो सबसे पहले एक नए वायरस के संपर्क में आते है, वे युवा, यात्रा करने वाले और आमतौर पर स्वस्थ लोग होते हैं। क्या मौजूदा टीकों के जरिए नए स्वरूप से बचाव की संभावना है? इस बारे में नहीं पता। ज्ञात मामलों में वे व्यक्ति शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया गया था। हमने सीखा है कि टीकाकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रतिरक्षा समय के साथ कम हो जाती है और संक्रमण से उतनी रक्षा नहीं करती है लेकिन, गंभीर

बीमारी और मृत्यु से बचाने में उपयोगी है। महामारी विज्ञान के विश्लेषणों में से एक यह देखना होगा कि कितने लोग बी.1.1.529 से संक्रमित हो चुके हैं। आशंका है कि बी.1.1.529 प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से बच सकता है, जो बेहद निराशाजनक है। आखिर में, बी.1.1.1.529 के बारे में अब तक जो कुछ भी ज्ञात है वह इस बात पर प्रकाश डालता है कि गैर औषधीय कवायद के साथ गंभीर कोविड-19 के खिलाफ सार्वभौमिक टीकाकरण अब भी हमारा सबसे अच्छा दांव है और यह आने वाली लहर के दौरान स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सामना करने में मदद करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

उत्तर प्रदेश को न बुआ चाहिए, न बबुआ चाहिए, सिर्फ बाबा : राजनाथ सिंह

जौनपुर (उप्र)।(एजेंसी)।
रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के काशी क्षेत्र के बूथ प्रभारी राजनाथ सिंह ने शनिवार को बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को न बुआ (मायावती)और न बबुआ (अखिलेश यादव) चाहिए, राज्य को सिर्फ बाबा (योगी आदित्यनाथ) चाहिए। यहां टीडी कालेज में काशी क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा उत्तर प्रदेश को न बुआ (मायावती) चाहिए न बबुआ (अखिलेश यादव) चाहिए, सिर्फ बाबा (योगी आदित्यनाथ) चाहिए।'' गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा और सपा के गठबंधन के बाद बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की जोड़ी को बुआ-बबुआ का नाम मिला था।

सिंह ने कहा आप तो जानते ही हैं कि योगी जी कितने बड़े बल्लेबाज हैं, जिस दिन सोशल मीडिया में योगी जी के कंधे पर मोदी जी के हाथ रखी तस्?वीर आई थी, तब जानते हैं कि मोदी जी ने क्या कहा था- योगी जी आप चिंता मत करिये, आप धड़ाधड़ बैटिंग करते जाइए। उन्होंने कहा, आज मुख्यमंत्री का नाम सुनते ही गुंडे माफियाओं के दिल में दहशत पैदा हो जाती है। राज्?य में बेहतर कानून-व्यवस्था का दावा करते हुए उन्होंने कहा उप्र में पौने पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है जो आज तक उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी नहीं आया।

उन्होने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, 26 नवम्बर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने कठोर कदम नहीं उठाया, यह मै नही कह रहा हूं खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने अपने किताब में लिखा है कि हमले के बाद जो कार्रवाई करना चाहिए था वह नहीं किया गया। सिंह ने कहा, जब से हमारी सरकार बनी है, आतंकवाद पर पूरी तरह से लगाम लग गया है और आतंकी सीमा पर ही मारे जा रहे है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जिन्ना का जिन्न किस बोतल से निकाला। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विगत साढ़े चार साल के भाजपा कार्यकाल में किये गए विकास, रोजगार और सामाजिक सद्भावना, अपराध मुक्त वातावरण की तारीफ करते हुए योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की तारीफ की। उन्होंने देश की सुरक्षा पर कहा कि हम किसी को छेड़ेंगे नही, अगर कोई छेड़ा तो उसे छोड़ेंगे भी नही। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को तोड़ने वाले तत्वों को हमें भूलना नहीं चाहिए, ये वही लोग हैं जो 2017 के पहले सत्ता रहने पर दंगों के जरिए प्रदेश के अंदर आस्था पर प्रहार करने थे।

ये वही तत्व हैं, जिन्होंने प्रदेश में भ्रष्टाचार फैलाकर प्रदेश के विकास को बाधित किया था। सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी संबोधित किया।

सार समाचार

आर के सिंह, नीतीश कुमार ने बिहार में दो बिजली इकाइयों को राष्ट्र को समर्पित किया

नयी दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की बरौनी और बाढ़ में 1,160 मेगावॉट की क्षमता वाली दो बिजली इकाइयों को शनिवार को देश को समर्पित किया। बिजली मंत्रालय ने बयान में कहा कि 500 मेगावॉट क्षमता (250-250 गुना की दो इकाइयां) वाली एनटीपीसी के बरौनी ताप विद्युत केंद्र के दूसरे चरण और एनटीपीसी की बाढ़ अत्याधुनिक तापीय विद्युत परियोजना की पहली इकाई (660 मेगावॉट) को राष्ट्र को समर्पित किया गया। एनटीपीसी समूह की बिहार में स्थापित क्षमता 7,970 मेगावॉट है जबकि 1,980 मेगावॉट की क्षमता निर्माणाधीन है। बिजली क्षेत्र के विकास में तेजी लाने और बिजली की उपलब्धता एवं लागत दक्षता में वृद्धि के लिए बिहार सरकार ने दिसंबर, 2018 में बरौनी थर्मल ताप बिजली स्टेशन को एनटीपीसी लिमिटेड को सौंप दिया था।

श्मशान घाट में जलती चिताओं के बीच जिंदा बुजुर्ग ने खुद को क्यों लगा ली आग?

भिवानी। हरियाणा के दादरी जिले के कस्बा झोझू कलां स्थित श्मशान घाट में बने कमरे में एक बुजुर्ग ने आत्मदाह कर लिया। मरने वाले ने दीवार पर कोयले से लिखा है कि उसे कोई परेशानी नहीं है और वह खुद आत्महत्या कर रहा है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) जोगेंद्र सिंह एवं झोझू कलां थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह किसी ग्रामीण ने श्मशान घाट में बने कमरे में एक व्यक्ति का जला हुआ शव देखा, जिसके बाद उसने घटना की जानकारी अन्य ग्रामीणों को दी। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर झोझू कलां थाना पुलिस भी वहां पहुंची। इस दौरान मृतक की पहचान कस्बा झोझू कलां निवासी चंद्र (करीब साठ साल) के रूप में हुई। कयास लगाए जा रहे है कि यह घटना शुक्रवार देर रात की है।

आंध्र प्रदेश में आई बाढ़ में डूबे 16 लोग अब भी लापता, मुख्यमंत्री रेड्डी का बयान

अमरावती। आंध्र प्रदेश के कडपा जिले में हाल में आई बाढ़ में डूबे 16 लोग अब भी लापता हैं और राज्य सरकार ने शुक्रवार को कहा कि बाढ़ में 44 अन्य की मौत हो गई। विधानसभा में स्वतः संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने बाढ़ और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा उठाए गए राहत कदमों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि न केवल मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रूपये मुआवजा दिया गया बल्कि लापता लोगों के परिजनों को भी यह राशि दी गई। उन्होंने कहा कि बाढ़ में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए 1,169 घरों में से प्रत्येक के लिए 95,100 रुपये मुआवजा दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा उनमें से प्रत्येक परिवार के लिए 1.80 लाख रुपये की लागत से नया मकान बनवाया जाएगा। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हर घर के लिए 5,200 रुपये मुआवजा दिया गया। रेड्डी ने कहा कि एसपीएस नेल्लोर, कडपा, चित्तूर और अनंतपरमु जिलों में 16 नवंबर को शुरू हुई बारिश ने अप्रत्याशित रूप से तबाही मचाई। उन्होंने कहा कि 18 नवंबर की रात को अन्नमय्या परियोजना के गांवों के 400 परिवारों को ऊंचाई वाले इलाकों में पहुंचाया गया और 900 लोगों को राहत शिविरों में रखा गया।

अखिलेश पर अनुराग ठाकुर का तंज, कहा- तुम दंगे कराते हो, हम दंगल कराते हैं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश चुनाव के मद्देनजर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति जबरदस्त तरीके से हो रही है। भाजपा और समाजवादी पार्टी एक दूसरे पर खूब हमलावर है। राज्य का राजनीतिक पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। इन सबके बीच केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव तंज कसा है। अपने तंज में अनुराग ठाकुर ने कहा कि अखिलेश भाई सुनो, तुम दंगे कराते हो, हम दंगल कराते हैं। बागपत के लोग दंगल चाहते हैं, दंगे नहीं। दरअसल, अनुराग ठाकुर बागपत में आयोजित खेल स्पर्धा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ठाकुर ने कहा कि सांसद खेल स्पर्धा के ज़रीए अगर हम खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दे रहे हैं, नशे से दूर रख रहे हैं तो क्या बुराई है? अखिलेश भाई सुनो, तुम दंगे कराते हो, हम दंगल कराते हैं। बागपत के लोग दंगल चाहते हैं, दंगे नहीं। उन्होंने कहा कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा खोजने आएंगे। उन्हें चुना जाएगा, परखा जाएगा, पॉलिश किया जाएगा और हीरे में बदलने में सक्षम बनाया जाएगा, ताकि वे भारत का नाम रोशन कर सकें। भविष्य के रवि दहिया बन सकें। युवा नेता ने कहा कि यदि आप पदक विजेताओं को देखेंगे तो पाएंगे कि वे संपन्न घरों से नहीं हैं। जिनके पेट में आग है और कुछ करने और हासिल करने की भावना है, ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे ही लोग भारत के लिए पदक जीत रहे हैं।

न्यायाधीशों का दायित्व है कि वे अपनी बात कहने में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)।
राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को यहां कहा कि यह न्यायाधीशों का दायित्व है कि वे अदालत कक्षों में अपनी बात कहने में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें। उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि भारतीय परंपरा में, न्यायाधीशों की कल्पना स्थितप्रज्ञ (स्थिर ज्ञान का व्यक्ति)के समान शुद्ध और तटस्थ आदर्श के रूप में की जाती है। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे न्यायाधीशों की विरासत का एक समृद्ध इतिहास है, जो दूरदर्शिता से पूर्ण और निंदा से परे आचरण के लिए जाने जाते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए विशिष्ट पहचान बन गए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह उल्लेख करने में खुशी हो रही है कि भारतीय न्यायपालिका इन उच्चतम मानकों का पालन कर रही है। उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपने अपने लिए एक उच्च स्तर निर्धारित किया है। इसलिए, न्यायाधीशों का यह भी दायित्व है कि वे अदालत कक्षों में अपने बयानों में अत्यधिक विवेक का प्रयोग करें। अविवेकी टिप्पणी, भले ही अच्छे इरादे से की गई हो, न्यायपालिका के महत्व को कम करने वाली संदिग्ध व्याख्याओं को जगह देती है।'' राष्ट्रपति ने अपने तर्क के समर्थन में डेनिस बनाम अमेरिका मामले में अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश फ्रैंकफर्टर को उद्धृत किया, जिन्होंने कहा था कि अदालतें प्रतिनिधि निकाय नहीं हैं और ये लोकतांत्रिक समाज का अच्छा प्रतिबिंब बनने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई हैं। अमेरिकी न्यायाधीश को उद्धृत करते हुए कोविंद ने कहा कि अदालतों का आवश्यक गुण स्वतंत्रता पर आधारित तटस्थता है, और इतिहास सिखाता है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता तब खतरे में पड़ जाती है जब अदालतें भावना संबंधी जुनून में उलझ जाती हैं, और प्रतिस्पर्धी राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक दबाव के बीच चयन करने में प्राथमिक जिम्मेदारी लेना शुरू कर देती हैं।

कोविंद ने कहा, हम एक शानदार इतिहास के उत्तराधिकारी हैं, जिसमें कानूनी हस्तियों ने न केवल राष्ट्रीय आंदोलन को आकार दिया, बल्कि एक निस्वार्थ सार्वजनिक व्यक्तित्व का एक आदर्श भी स्थापित किया।''

राष्ट्रपति ने कहा, शुरुआत से ही न्यायपालिका ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए आचरण के उच्चतम मानकों का लगातार पालन किया किया है। लोगों की नजर में यह सबसे भरोसेमंद संस्थान है। कोविंद ने सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ की जाने वाली टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ''...सोशल मीडिया मंचों पर न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के कुछ मामले सामने आए हैं। इन मंचों ने सूचनाओं को लोकतांत्रिक बनाने के लिए अद्भुत काम किया है, फिर भी उनका एक स्याह पक्ष भी है। इनके द्वारा दी गई नाम उजागर न करने की सुविधा का कुछ शरारती तत्व फायदा उठाते हैं। यह पथ से एक भटकाव है, और मुझे उम्मीद है कि यह अल्पकालिक होगा।''

संसद भवन पर खालिस्तानी झंडा फहराने की फिराक में आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस, खुफिया एजेंसी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।
प्रतिबंध आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संसद भवन में खालिस्तानी झंडा फहराने की योजना तैयार कर रहा है। इसको लेकर खुफिया विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आपको बता दें कि 29 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले खुफिया एजेंसियों ने एक सूचना के आधार पर अलर्ट जारी किया है।

खुफिया एजेंसी ने जारी किया अलर्ट

हिन्दी समाचार चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, एसएफजे के आतंकी जीएस पन्नू ने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो जारी किया है। जिसमें कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों से शीतकालीन सत्र के दौरान संसद का घेराव करने की अपील की और झंडा फहराने को कहा। इतना ही नहीं आतंकी जीएस पन्नू ने खालिस्तानी झंडा फहराने वाले के लिए इनाम की भी घोषणा की है। उसने कहा कि संसद भवन पर जो भी खालिस्तानी झंडा फहराएगा उसे सवा लाख अमेरिकी डॉलर इनाम के तौर पर दिए जाएंगे।

संसद भवन के पास बढ़ाई गई सुरक्षा

आतंकी जीएस पन्नू का वीडियो सामने आने के बाद खुफिया विभाग ने अलर्ट जारी किया। जिसके बाद संसद भवन के आस-पास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि किसान संगठन कृषि कानूनों के विरोध में एक साल से आंदोलन कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया है। हालांकि किसानों ने सरकार के समक्ष एमएसपी गारंटी कानून समेत अपनी 6 मांगें रखी हैं।

दक्षिण अफ्रीका से आने वाले यात्रियों को मुंबई पहुंचने पर पृथकवास में रहना होगा : महापौर

मुंबई।(एजेंसी)।
दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के एक नए संक्रामक स्वरूप के सामने आने के मद्देनजर मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका से शहर में आने वाले सभी यात्रियों को पृथकवास में रहना होगा। उन्होंने बताया कि इन यात्रियों के नमूने जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजे जाएंगे। पीटीआई-से बातचीत में पेडनेकर ने कहा कि यह निर्णय दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रोन के सामने आने के बाद लिया गया क्योंकि इस स्वरूप के अधिक संक्रामक होने की आशंकाएं हैं। उन्होंने कहा, ''विदेशों में कोरोना वायरस का खतरा बढ़ गया है इसलिए बाहर से आने वाले लोगों को जीनोम जांच से गुजरना होगा।''

महापौर ने कहा कि शाम में महानगरपालिका की बैठक होने वाली है। पेडनेकर अभी दिल्ली में हैं और उन्होंने कहा कि कोविड-19 की पिछली लहरपर नियंत्रण में आई कठिनाई के अनुभवों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि वायरस के नए स्वरूप से प्रभावित देशों से आनेवाले यात्रियों के लिए भी इस तरह के प्रतिबंध लागू हो सकते हैं। इस सप्ताह कोविड-19 के नए स्वरूपक्क1.1.529 का पता दक्षिण अफ्रीका में चला और शुक्रवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'चिंता वाला स्वरूप' करार दिया। इसे ओमिक्रोन नाम दिया गया है।

कांग्रेस में क्या होगी सचिन पायलट की जिम्मेदारी? अपनी भूमिका को लेकर खुद किया बड़ा खुलासा

जयपुर (एजेंसी)।
राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार का काम पूरा हो चुका है। मंत्रिमंडल विस्तार में नाराज चल रहे सचिन पायलट के समर्थकों को भी शामिल किया गया है जिसके बाद माना जा रहा है कि सचिन पायलट संतुष्ट हैं। हालांकि उम्मीद इस बात के जताई जा रही थी कि पायलट की एक बार फिर से संगठन के साथ-साथ गहलोत कैबिनेट में भी वापसी हो सकती है लेकिन यह नहीं हुआ। कैबिनेट विस्तार में पायलट समर्थक विश्वेंद्र सिंह और रमेश मीणा की भी वापसी हो गई है जिन्हें पिछले साल बगावत की वजह से हटा दिया गया था। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सचिन पायलट की भूमिका क्या होगी?

इसको लेकर सचिन पायलट ने ही खुद बड़ा खुलासा किया है। सचिन पायलट ने कहा कि जो भी जिम्मेदारी नेतृत्व की तरफ से सौंपा जाएगा, उसे निभाने के लिए वह तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता राज्य में एक बार फिर से कांग्रेस की सत्ता वापसी को सुनिश्चित करना है। सचिन पायलट ने यह भी कहा कि वह पार्टी के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में प्रचार कर रहे हैं और पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। वह कांग्रेस के एक समर्पित कार्यकर्ता हैं और पार्टी जो भी कहेगी वह उसे निभाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिस तरीके से 2018 में हम सामूहिक रूप से चुनाव में उतरे थे, वैसे ही 2023 में भी हम सामूहिक रूप में चुनाव में उतरेंगे और जीतेंगे। सीएम चेहरे पर उन्होंने कहा कि पिछली बार भी हमारा कोई सीएम चेहरा नहीं था और अगली बार भी संभवत हम सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेंगे।

केंद्र सरकार हमला

सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि कि आज केंद्र की सत्ता में जो लोग बैठे हुए है वे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने में लगे हुए हैं। पायलट ने कहा कि पिछले 70 साल में देश में जिन संस्थाओं का निर्माण हुआ है उसमें सबकी भूमिका रही है.. लेकिन दुर्भाग्य से आज जो लोग केंद्र की सत्ता में बैठे हुए हैं वे इन संस्थाओं को कमजोर करने में लगे हैं। संविधान दिवस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि देश का लोकतंत्र और प्रजा का राज हमारी पूंजी है उसको बरकरार रखना हम सब की जिम्मेदारी है। आज संविधान दिवस है और हम सब लोगों को प्रण लेना चाहिए कि देश के लोकतांत्रिक के सिलसिले में संविधान निर्माताओं की जो दूरदर्शी सोच थी उस सोच को हमें आगे ले जाना चाहिए।

बिहार में शराब की होम डिलीवरी करने वालों की आएगी शामत, प्रशासन ने तैयार कर लिया पूरा एक्शन प्लान

पटना (एजेंसी)।
बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए नीतीश सरकार लगातार सख्त कदम उठा रही है। बावजूद इसके शराब की होम डिलीवरी को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। बिहार में कई जगह से ऐसी खबरें आ रही हैं जहां शराब की होम डिलीवरी की जा रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि शराब की होम डिलीवरी को प्रशासन कैसे रोकेगा? अब जो खबर आ रही है उसके मुताबिक प्रशासन शराब की होम डिलीवरी रोकने के लिए पूरा प्लान तैयार कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक के मद्य निषेध विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक की अध्यक्षता में शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए एक बैठक हुई। इस बैठक में शराब की होम डिलीवरी को शत प्रतिशत रोकने के लिए कई प्लान तैयार किए गए। बताया जा रहा है कि इस बैठक में शराब की जब्ती के बाद उसे तुरंत निष्क्रिय करना, अगर वाहन में शराब मिलता है तो उस वाहन को जब्त करने के बाद नीलाम करना तथा कॉल सेंटर के जरिए प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्यवाही करने जैसे मुद्दे शामिल थे। शराबबंदी कानून को अमल में लाने के लिए पुलिस को भी काफी निर्देश दिए गए हैं।

शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों की खैर नहीं

हाल में ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी को लेकर मैराथन समीक्षा बैठक की थी। अपनी बैठक में नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कह दिया था कि शराबबंदी के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शराबबंदी कानून को और प्रभावी बनाने के लिए गांव के चौकीदार से डीजीपी तक की जवाबदेही को तय कर दिया गया है। शराबबंदी को लेकर लापरवाही बरतने वाले थानेदारों को अगले 10 सालों तक ड्यूटी नहीं करने दी जाएगी। अगर इसमें उनकी संलिप्तता पाई जाती है तो उन्हें बर्खास्त करने तक की भी कार्रवाई की जा सकती है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि सेंट्रल टीम अब राज्य भर में लगातार छापेमारी करेगी और कहीं भी अगर शराब बरामद होती है तो संबंधित थानेदार को तत्काल सस्पेंड भी कर दिया जाएगा।

पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार ने जातीय भेदभाव पर जताया दुख, बोलीं- देश में हैं दो प्रकार के हिंदू

नई दिल्ली (एजेंसी)।
भारत की पहली महिला स्पीकर मीरा कुमार ने 21 सदी में जारी जातीय भेदभाव पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी के भारत में भी जाति व्यवस्था कायम है। देश में दो प्रकार के हिंदू हैं, एक वह जो मंदिर जा सकते हैं और दूसरे वह जो नहीं जा सकते। दलित समुदाय से आने वाली और पूर्व राजनयिक मीरा कुमार ने राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश की नई किताब 'द लाइट ऑफ एशिया- द पोएम दैट डिफाइंड बुद्धा' के विमोचन के अवसर पर यह टिप्पणी की। इससे पहले भी कांग्रेस नेताओं की किताब पर बवाल मच चुका है। सर्वप्रथम सलमान खुर्शीद की अयोध्या पर लिखी किताब और फिर मनीष तिवारी की किताब के चलते कांग्रेस बैकफुट पर नजर आ रही थी।

क्या धर्म बदलने से बदल जाती है जाति?

इसी बीच मीरा कुमार ने बताया कि उनके पिता बाबू जगजीवन राम से बहुत लोगों ने हिंदू धर्म छोड़ने को कहा था क्योंकि उन्हें जाति के कारण भेदभाव सहना पड़ता था। हालांकि, पिता बाबू जगजीवन राम ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वो अपना धर्म नहीं छोड़ेंगे और जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ेंगे। मीरा कुमार ने आगे बताया कि उनके पिता यह पूछते थे कि क्या धर्म बदलने से किसी की जाति बदल जाती है ? इसी बीच मीरा कुमार ने जयराम रमेश को उनकी नई किताब के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस किताब ने सामाजिक व्यवस्था का एक बंद दरवाजा खोलने में मदद की है, जिसके अंदर लोगों का दम घुट रहा था।

कौन हैं मीरा कुमार ?

साल 2017 में राष्ट्रपति चुनाव के लिए यूपीए की उम्मीदवार रहीं मीरा कुमार का जन्म बिहार के सासाराम में पूर्व उप-प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम के घर में हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाऊस से कानून की पढ़ाई करने वाली मीरा कुमार भारत की पहली महिला स्पीकर बनीं। बेजोड़ प्रतिभा की धनी मीरा कुमार को कविताओं का भी अच्छा खासा सौख है। शांत और सहनशीलता उनके व्यक्तित्व की सबसे खास बात है। हमेशा नम्र लहजा अपनाने वाली मीरा कुमार साल 1973 में विदेश सेवा में शामिल हुईं और फिर अलग-अलग देशों में नियुक्त हुईं। हालांकि 1985 में उनके राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत हुई। मीरा कुमार ने मायावती, रामविलास पासवान जैसे दिग्गजों को चुनाव में परास्त किया है। हालांकि 1999 में उन्हें हार का भी सामना करना पड़ा था लेकिन फिर उन्होंने अपने पिता की सीट से चुनाव जीता। इसके बाद 2009 में देश की पहली महिला स्पीकर बनीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

पूर्वाचल में राजनाथ सिंह ने की सीएम योगी की तारीफ

जौनपुर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा कि प्रदेश को न बुआ और न बबुआ की जरूरत है। प्रदेश को बाबा (योगी आदित्यनाथ) की जरूरत है। 2022 के चुनाव में प्रदेश की जनता इसके लिए मन भी बना चुकी है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। पिछली सरकारों की तरह हम उन पर लाठी-गोली नहीं चला सकते। हम अन्नदाताओं के सामने विनम्रता से नतमस्तक होते हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि संसद सत्र के पहले दिन तीनों कृषि कानून वापस ले लिए जाएंगे। राजनाथ सिंह शनिवार को स्थानीय टीडी कॉलेज के मैदान पर भाजपा काशी क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में काशी क्षेत्र के 29500 बूथ अध्यक्ष, 16 सांगठनिक जिलों के अध्यक्ष, काशी क्षेत्र में रहने वाले केंद्रीय व प्रदेश संगठन के पदाधिकारी, केंद्र व प्रदेश सरकार के मंत्री पहुंचे थे। रक्षामंत्री ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करने के साथ प्रदेश सरकार के कई कार्यों का भी उल्लेख किया। बोले, मुख्यमंत्री की कार्यक्षमता पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। आज साढ़े चार साल तक कुछ न कर पाने वाले लोग विचलित हैं। इसलिए जनता को भ्रमित करने के लिए धर्म और जाति की राजनीति करने लगे हैं। सिर्फ सत्ता के लिए जिन्ना का नाम उछाला जा रहा है। राजनाथ ने कहा कि जिन्ना पाकिस्तान का जनक हो सकता है, भारत का नहीं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारतीय राजनीति में विश्वास का संकट गहरा हो चला था।

फिर गैस चैंबर बनी दिल्ली

हवा की गुणवत्ता और बिगड़ी, अदक386 पर पहुंचा, ट्रकों के प्रवेश पर 30 नवंबर तक लगी रोक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा में आज भी कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला। वायु गुणवत्ता और मौसम पूवार्नुमान और अनुसंधान प्रणाली (सफर) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 386 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर पीएम 10 'बेहद खराब' श्रेणी में 360 और पीएम 2.5 'बेहद खराब' श्रेणी में 386 दर्ज किया गया। वहीं, गुरुग्राम और नोएडा में भी हवा "बहुत खराब" रही और यहां अदकक्रमशः 355 और 391 दर्ज किया गया। रअत्रक्षअफ का अनुमान है कि वायु प्रदूषण बढ़ने से लोगों में स्वास्थ्य और सांस संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। सफर ने कहा कि दिल्ली के ढट2.5 में पराली जलाने (गणना 274) से संबंधित प्रदूषकों की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत है। 29 तारीख से एक्यूआई में महत्वपूर्ण सुधार उच्च हवा की गति के कारण होने की उम्मीद है। दिल्ली की रहने वाली स्मिता ने कहा कि सुबह धुंध के कारण विजिबिलिटी बिल्कुल नहीं थी। हमें सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। हर साल हम पड़ोसी राज्यों में पराली जलने की खबरें देखते हैं, अगर ऐसा है तो सरकार को इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, एक अन्य निवासी विजय शर्मा ने कहा कि प्रदूषण के कारण हमने साइकिल चलाने का समय कम कर दिया है, लेकिन अब यहां गैस चैंबर जैसा महसूस हो रहा है। उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 को 'संतोषजनक',

101 और 200 को 'मध्यम', 201 और 300 को 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 और 500 को 'गंभीर' माना जाता है। इस बीच, दिल्ली सरकार ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। हवा की गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए, निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर प्रतिबंध 22 नवंबर को हटा लिया गया था। स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में कक्षाएं सोमवार से फिर से शुरू होने वाली हैं। दिल्ली सरकार के पर्यावरण और वन विभाग ने आज से 30 नवंबर तक आवश्यक वस्तुओं को छोड़कर राजधानी में ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। हालांकि, गैर-आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले सीएनजी/इलेक्ट्रिक ट्रकों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति होगी। पर्यावरण और वन विभाग ने आधिकारिक आदेश के अनुसार, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले ट्रकों को छोड़कर राजधानी में ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया है।

केन्द्रीय मंत्री के सामने फटा गैस का गुब्बारा

आग लगने से चार बच्चे झुलसे

फतेहपुर। खेल प्रतियोगिता के दौरान बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे के वक्त केन्द्रीय मंत्री भी मौजूद थे। दरअसल बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित परिषदीय बच्चों के लिए सांसद क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम के शुभारंभ पर गैस से भरे गुब्बारों के गुच्छे छोड़ जा रहे थे कि तभी अचानक गुब्बारा फट गया और उसमें आग लग गई। गुब्बारों में आग लगने से प्रतियोगिता में भाग लेने आए चार बच्चे बुरी तरह झुलस गए। प्रतियोगिता के दौरान हादसा देखकर खलबली मच गई। सभी घायलों को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शहर के स्पोर्टस स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ करने केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी पहुंचे।

उद्घाटन पर गैस से भरे गुब्बारों को हवा में छोड़ा गया तो मौके पर प्रतिभाग करने आए बच्चों में गुब्बारों को पकड़ने की होड़ लग गई। बड़े बच्चों ने गुब्बारों की डोरी को पकड़ा तो छोटे बच्चों ने गुब्बारा पाने की ललक पर उन पर टूट पड़े। गैस से भरे गुब्बारे जमीन के घर्षण से फट गए एवं आग लग गई। जिससे भिटौरा ब्लाक क्षेत्र के कक्षा आठ के विवेक (14), अभिषेक (14), नवनीत कुमार (15) एवं महेन्द्र कुमार (14) बुरी तरह से झुलस गए। घटना से अफरा तफरी मच गई। आनन फानन उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अखिलेश ने भी खेला फ्री वाला कार्ड

गरीबों को मुफ्त इलाज और तीन गुना पेंशन देने का किया वादा

लखनऊ। यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गरीबों का मुफ़्त इलाज करने तथा वृद्धा और विधवा पेंशन तीन गुना किए जाने का वादा करते हुये सपा प्रमुख और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फ्री वाला कार्ड खेल दिया है। चुनावी वादों की घोषणा करते हुए अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि जनता अब भाजपा का सफाया कर देगी। सपा प्रमुख ने शनिवार को हरदोई के संडीला में महाराज सल्हीय अर्कवंशी के 15वें मूर्ति स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गरीबों, दलितों, पिछड़ों और किसानों के हक में कार्य होगा। अखिलेश ने कहा कि हम अभी कोई योजना नहीं

बतायेंगे, क्योंकि भाजपा के लोग इसकी नकल कर लेंगे। उन्होंने वृद्धा और विधवा पेंशन का नाम लिए बिना कहा, हमारी माताओं और बहनों को अभी पांच सौ रुपये मिलते हैं लेकिन इस महंगाई में वह बहुत कम है, सरकार बनी तो तीन गुना रकम दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने लाखों नौकरी देने का वादा किया और कितनी नौकरी दी आप सब जानते हैं। उन्होंने कहा बिजली इसलिए महँगी हो गई क्यूंकि बिजली उत्पादन का कोई कारखाना नहीं खुला। उन्होंने भाजपा पर अपनी सरकार में किए गए कार्यों की नकल का आरोप लगाया। यादव ने कहा ह्लसमाजवादी पार्टी सभी रंगों को जोड़ कर गुलदस्ता बना रही है तो एक रंग वाली भाजपा परेशान हो गई है। उन्होंने दावा किया कि इस बार उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा के सहयोगी रह चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अपने संबोधन में आई हुई भीड़ का आह्वान करते हुए कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की सरकार बनाओ घरेलू बिजली बिल माफ करा दी जाएगी।

ट्रैक्टर मार्च रद्द

सरकार से कहा- आकाशवाणी न करें, आमने-सामने बात करें

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने आज सिंघु बॉर्डर पर हुई बैठक में 29 नवंबर को होने वाली संसद तक ट्रैक्टर मार्च को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार 4 दिसंबर तक का समय दिया है। किसान नेताओं ने कहा कि 29 नवंबर का संसद मार्च का कार्यक्रम स्थगित है, खत्म नहीं है। हम इस पर 4 दिसंबर को फैसला लेंगे। प्रधानमंत्री जी को हमने चिट्ठी सौंपी है। अगर 4 दिसंबर तक उस चिट्ठी पर सार्थक जवाब नहीं आया तो आगे का रुख तय करेंगे। सरकार को संयुक्त किसान मोर्चे के साथ बातचीत की मेज पर लौटना होगा। सरकार की आज की घोषणा से हम सहमत नहीं हैं। आकाशवाणी से हम सहमत नहीं होंगे। आमने-सामने बैठकर बात करें। कृषि कानून वापस होने के बाद भी एमएसपी समेत अन्य मांगों को लेकरे किसानों का आंदोलन लगातार जारी है। आज सोनीपत कुंडली बॉर्डर पर होने वाली संयुक्त

किसान मोर्चा की अहम बैठक खत्म हो चुकी है। इस बैठक में निम्न फैसले लिए गए हैं- 29 नवंबर को होने वाला संसद ट्रैक्टर मार्च टाल दिया गया है, इसे 6 दिसंबर तक टाल दिया गया है। 4 दिसंबर को होगी संयुक्त किसान मोर्चा की आगामी बैठक। किसान नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस में लिया गया फैसला। एमएसपी मुद्दा , शहीद किसानों को मुआवजा, देशभर में किसानों के ऊपर दर्ज केस, लखीमपुर खीरी के दोषी को बर्खास्त किया जाए। पराली जलाने पर दंड और बिजली बिल को भी खत्म किया जाए किसानों ने कहा कि हम मोर्चा जीत चुके हैं, आज सरकार की तरफ से कुछ बयान आए हैं,जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाएंगी हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

सीएम योगी का अखिलेश पर निशाना

बोले: जिन्ना के अनुयायी नहीं समझ पाएंगे गन्ने की मिठास

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग बार-बार रंग बदलते हैं और इनके बयानों से तो कभी गिरगिट भी शरमा जाए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को गोंडा जिले के बलरामपुर चीनी मिल परिसर, मैजापुर, में 450 करोड़ रुपये की लागत से 65.61 एकड़ में बनने वाले एथेनॉल संयंत्र का शिलान्यास करने के बाद एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ये लोग जातिवाद, क्षेत्रवाद, बेईमानी और भ्रष्टाचार फैलाते थे, दंगे करवाते थे, इनके दोहरे चरित्र में आप लोग कभी मत आना, इनके बहकावे में कभी मत आना, इनके बयानों से तो कभी गिरगिट भी शरमा जाए, ये लोग बार-बार रंग बदलते हैं। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज एशिया के सबसे बड़े एथेनॉल संयंत्र का शिलान्यास हो रहा है। बीजापुर चीनी मिल क्षमता को भी बढ़ाया गया है। यहां पर 15 मेगावाट बिजली भी बनायी जाएगी। इन कार्यों के लिए जनता को बधाई देते हुए उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया।

उन्होंने अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर की चर्चा करते हुए कहा, अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनाने के लिए किसने रोका था। कांग्रेस को किसने रोका, बुआ (मायावती) को किसने रोका और बबुआ (अखिलेश यादव) को किसने रोका। गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा और सपा के गठबंधन के बाद बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की जोड़ी को बुआ-बबुआ का नाम मिला था। योगी ने कहा, इन्हें तो पूरा मौका मिला था लेकिन उनकी सरकारों में भाई-भतीजे के लिए काम होता था। उनकी सरकारों में अपना-पराया था। जो आस्था का सम्मान करना जानते हैं, वह लोग अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सपा मुखिया पर तंज कसते हुए कहा, ये जो दंगाई हैं, जिन्ना के अनुयायी हैं, ये गन्ने की मिठास को क्या समझ पाएंगे। याद करिए जिन आतंकवादियों ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि पर हमला किया था, उन आतंकवादियों के मुकदमे को बड़ी बेशर्मी के साथ वापस लेने का कार्य पिछली सरकार ने किया। धन्यवाद है इलाहाबाद उच्च न्यायालय को, जिन्होंने पिछली सरकार की इस मंशा को पूरा नहीं होने दिया। हमारी सरकार आयी तो हमने प्रदेश को दंगा मुक्त किया और साढ़े चार वर्ष में एक भी दंगा नहीं हुआ। भाजपा की सरकार में आतंकवादियों को उनकी मांद में घुस घुसकर मारा गया। गन्ना किसानों के हक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुए कार्यों की चर्चा करते हुए योगी ने कहा, 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों या सामान्य किसानों की क्या स्थिति थी, यह आप सब लोग जानते हैं। किसान आत्महत्या कर रहा था, तब प्रदेश में किसान अपनी मेहनत से अन्न का उत्पादन करता था लेकिन उसके क्रय की कोई व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए कहा कि उन्होंने किसानों के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है।

पुणे के पास मिनी ट्रक की चपेट में आने से चार श्रद्धालुओं की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में कान्हे गांव के पास शनिवार तड़के एक मिनी ट्रक की चपेट में आने से भगवान विट्ठल के मंदिर का दर्शन करने जा रहे चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 23 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु पुणे शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित आलंदी जा रहे थे, तभी मावल तहसील में सुबह करीब छह बजे यह घटना हुई। वडगांव मावल पुलिस थाने के निरीक्षक विलास भोसले ने बताया, "वारकरियों (भगवान विट्ठल के भक्त) का एक समूह रायगढ़ जिले से पैदल आ रहा था। जब यह समूह पुराने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर साटे फाटा पहुंचा, तो एक मिनी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना में 27 लोग घायल हो गए।" उन्होंने बताया, "घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान चार लोगों की मौत हो गई।" भोसले ने बताया कि वाहन चालक को हिरासत में ले लिया गया है और मामले में जांच जारी है। वारकरी संप्रदाय के लोग भगवान विट्ठल मंदिर के लिए प्रसिद्ध राज्य के सोलापुर जिले के पंढरपुर शहर में वार्षिक 'वारी' (तीर्थयात्रा) करते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में 200 से अधिक चोरियां करने वाला गिरफ्तार, बनाना चाहता था रिकॉर्ड

फरीदाबाद। पुलिस ने गुलेल से लग्जरी कारों के शीशे तोड़कर कीमती सामान और बैग चुराने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। दिल्ली-एनसीआर में 200 से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुका यह चोर बॉलीवुड अभिनेता अभय देओल की फिल्म ओये लक्की लक्की ओये से प्रभावित होकर चोरी का रिकॉर्ड बनाना चाहता था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने 25 वारदातों में लिप्त होने की बात कबू की है। उसके कब्जे से चार लाख की नकदी और चार लैपटॉप बरामद गए किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान

बिहार के सिवान जिले के रहने वाले इम्तियाज उर्फ अरमान के रूप में हुई है। फिलहाल वह फरीदाबाद के पल्ला में किराए के मकान में रहता था। दिल्ली से चुराई गई बाइक से देता था वारदात को अंजाम : डीसीपी क्राइम नरेंदर कादियान ने बताया कि आरोपी ने दिल्ली के रोहिणी से एक पल्सर बाइक चोरी की थी। इस पर सवार होकर वह वारदात को अंजाम देता था। उसके खिलाफ अब तक फरीदाबाद में 24 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें 50 गाड़ियों के शीशे तोड़ना शामिल हैं। क्राइम ब्रांच-30 प्रभारी इंस्पेक्टर विमल राय ने बताया कि लोगों को डराने के लिए आरोपी अपने साथ एक देसी कट्टा भी रखता था। गत दिनों आरोपी ने आईएमटी स्थित एक फैक्ट्री मालिक की फार्च्यूनर गाड़ी का शीशा तोड़कर उसमें से लैपटॉप बैग चोरी कर लिया था। बैग में उसकी फैक्ट्री के जरूरी कागजात, लैपटॉप व लाइसेंसी पिस्टल रखी थी। पीड़ित की इस शिकायत पर क्राइम ब्रांच को उसे पकड़ने में कामयाबी मिली।

संसद सत्र: कांग्रेस का साथ देने में टीएमसी की दिलचस्पी नहीं, विपक्षी पार्टियों की बैठक से भी कर सकती है किनारा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि आगामी संसद सत्र में कांग्रेस के साथ सहयोग करने में उसकी दिलचस्पी नहीं है। पार्टी के एक नेता ने शनिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस के साथ समन्वय करने की इच्छुक नहीं है, लेकिन पार्टी लोगों के हित से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अन्य विपक्षी दलों के साथ सहयोग करेगी। टीएमसी नेता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा 29 नवंबर को बुलाई गई विपक्षी पार्टियों की बैठक में शायद शामिल नहीं होगी। तृणमूल कांग्रेस का यह खंडन तब आया जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने कहा था कि कांग्रेस शीतकालीन सत्र के दौरान टीएमसी सहित सभी विपक्षी खेमे के साथ समन्वय करेगी। दोनों पार्टियों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच टीएमसी ने कांग्रेस को सलाह दी कि उसे उचित आंतरिक समन्वय करते हुए अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए। पार्टी के फैसले की जानकारी रखने वाले तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई से कहा कि शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस के साथ समन्वय करने में हमारी कोई दिलचस्पी नहीं है। कांग्रेस नेताओं को पहले आपस में समन्वय स्थापित करना चाहिए। उन्हें अपना घर व्यवस्थित करना चाहिए और फिर अन्य दलों के साथ समन्वय के बारे में सोचना

चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या टीएमसी अन्य विपक्षी दलों के साथ समन्वय करेगी, उन्होंने कहा कि हम लोगों के हितों से संबंधित कई मुद्दों को उठाएंगे और उनके साथ समन्वय करेंगे। हम शायद कांग्रेस द्वारा बुलाई गई विपक्षी पार्टियों की बैठक में शामिल नहीं होंगे। भाजपा के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस से अनिच्छुकता के बारे में उन्होंने कहा कि उनके नेताओं में भगवा खेमे से टक्कर लेने के लिए दृढ़ संकल्प की कमी है। टीएमसी 29 नवंबर को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के आवास पर अपनी राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक करेगी। टीएमसी नेता ने कहा कि पार्टी संसद के शीतकालीन सत्र में अपनी रणनीति समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेगी। ममता बनर्जी को जुलाई में सर्वसम्मति से टीएमसी संसदीय दल का अध्यक्ष चुना गया था। टीएमसी के राज्यसभा पार्टी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शीतकालीन सत्र के दौरान पार्टी द्वारा उठाए जाने वाले विषयों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि मुद्दे उठाए जाने लायक हैं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com